# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

## का

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 1996-97

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 110058
पुस्तकालय

योऽनूचानः स नो महान्।
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

## वार्षिक प्रतिवेदन

## १९९६-९७

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

प्रकाशक:—

**निदेशक**

**राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान**

५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी
नई दिल्ली-११००५८

मुद्रक:—

**अमर प्रिंटिंग प्रैस**

विजय नगर, दिल्ली-९

# विषय-सूची


**१. प्रस्तावना** ५

१.१ भूमिका और कार्य
१.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप
१.३ अध्यापन
१.४ अध्यापक-प्रशिक्षण
१.५ शोध
१.६ प्रकाशन

**२. संगठन और स्थापना** ७

**३. शैक्षणिक विभाग** १०

३.१ शैक्षणिक शाखा
३.२ शोध और प्रकाशन शाखा
३.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

**४. परीक्षा विभाग** १५

**५. प्रशासन विभाग** १६

**६. वित्त विभाग** १७

**७. योजना अनुभाग** १९

**८. विद्यापीठ** २२

८.१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी
८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद
८.३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू
८.४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा (त्रिचूर)
८.५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर
८.६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ
८.७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

**९. वर्ष की प्रमुख घटनाएँ** ३०

९.१ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भवन का उद्घाटन एवं संस्कृत दिवस समारोह
९.२ रजत जयन्ती प्रकाशन
९.३ स्थापना दिवस समारोह—१९९६
९.४ दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन—
९.५ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा
९.६ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का दीक्षान्त समारोह

**परिशिष्ट—**

(क) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारणसभा के सदस्यों की सूची ३७-६२
(ख) संस्थान की शासी परिषद् के सदस्यों की सूची
(ग) सम्बद्ध संस्थाएँ
(घ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें
(ङ) संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय
(च) १९९५ और १९९६ के स्वर्ण पदक विजेता
(छ) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की रजतजयन्तीग्रन्थमाला के प्रकाशन
(ज) १९९६-९७ वर्षीय प्राप्तियां व भुगतान का विवरण

# १. प्रस्तावना

## १.१ भूमिका और कार्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना देश भर में संस्कृत की प्रोन्नति एवं विकास के लिए सन् १९७० में हुई तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम १८६० (अधिनियम XXI) के अन्तर्गत इसका पंजीकरण किया गया। इसका वित्तीय भार पूर्णतया भारत सरकार वहन करती है। संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार एवं विकास के लिए यह एक शीर्षस्थ संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान संस्कृत-अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने में **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार** की सहायता करता है। संस्कृत भाषा और शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार और विकास के लिए सन् १९५६ में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित संस्कृत आयोग की संस्तुतियों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए यह एक प्रमुख संस्था के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।

संस्था के ज्ञापन (मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन) से परिलक्षित होता है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत विद्या और शोध का प्रचार-प्रसार, विकास तथा प्रोत्साहन करना है और संस्थापित अथवा अधिगृहीत सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्रबन्ध के लिए केन्द्रीय प्रशासकीय तथा समन्वय करने वाली संस्था के रूप में कार्य करना है।

## १.२ कार्यक्रम और क्रियाकलाप

उपर्युक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं क्रियाकलापों का संचालन करता है—

— विभिन्न राज्यों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना।

— उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक, पूर्व स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान स्तर पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत के अध्यापन-कार्य को संचालित करना।

— स्नातक स्तर पर अध्यापकों के प्रशिक्षण (शिक्षा शास्त्री) का संचालन।

— संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य का संचालन और समन्वयन।

— पारस्परिक अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं को प्रायोजित करने में अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।

— संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों और महत्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन व प्रकाशन।

## १.३ अध्यापन

संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों में प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक का अध्यापन-कार्य संस्थान द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाता है। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संचालित संस्थान से सम्बद्ध कुछ अन्य संस्कृत संस्थायें भी इस पाठ्यक्रम के

आधार पर अध्यापन करती हैं । संस्कृत शिक्षण की गैर परम्परागत पद्धति से आने वाले छात्रों के सौविध्य के लिए संस्थान के सभी विद्यापीठों में + २ स्तर का एक द्विवर्षीय प्राक्शास्त्री पाठ्यक्रम चलाया जाता है । पुरी और जम्मू विद्यापीठों में प्रथमा (कक्षा ६,७ और ८) से लेकर पूर्वमध्यमा (कक्षा ९-१०) और उत्तरमध्यमा (कक्षा ११-१२) तक विद्यालयस्तरीय पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है ।

वर्तमान में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सात केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का संचालन कर रहा है ।

## १.४ अध्यापक-प्रशिक्षण

सभी केन्द्रीय विद्यापीठों में एक शैक्षिक सत्र की अवधि का अध्यापकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाया जाता है जो प्रयोगात्मक शिक्षण पर बल देता है । इस पाठ्यक्रम में सफल होने वाले विद्यार्थियों को शिक्षाशास्त्री की उपाधि दी जाती है जो बी.एड. के समकक्ष होती है ।

## १.५ शोध

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ इलाहाबाद, संस्कृत के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में शोध के लिए पूर्ण रूप से प्रवृत्त है । अन्य सभी विद्यापीठों में भी शोधछात्रों की सुविधा के लिए उनके नामांकन की व्यवस्था है । अनुसंधान कार्य पूरा करने के बाद उन्हें संस्थान द्वारा विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है जो पी-एच्. डी. के समकक्ष है ।

## १.६ प्रकाशन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से दो अनुसंधान पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है:-संस्कृत-विमर्श और गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ शोध-पत्रिका । संस्कृत-विमर्श का प्रकाशन मुख्यालय द्वारा किया जाता है । दूसरी पत्रिका का प्रकाशन गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद से होता है ।

# २. संगठन और स्थापना

साधारण सभा संस्थान की नीतियों का निर्धारण करती है जिसमें २० सदस्य हैं । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की साधारण सभा के सदस्यों की सूची संलग्नक 'क' में दी गयी है । शासी परिषद् शीर्षस्थ शासी निकाय है, जिसमें अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के अतिरिक्त छः सदस्य हैं । साधारण सभा द्वारा स्वीकृत नीतियों का क्रियान्वयन शासी परिषद् द्वारा किया जाता है । वर्तमान शासी परिषद् का गठन संलग्नक 'ख' पर संलग्न है ।

शासी परिषद् के कार्यों के सम्पादन में निम्नलिखित समितियां/परिषद् सहायता करती हैं—

१. अर्थ समिति

२. विद्या परिषद्

३. प्रकाशन समिति

४. शोध समिति

५. परीक्षा मण्डल

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान चार विभागों के द्वारा कार्य करता है:—

१. शैक्षणिक विभाग

२. परीक्षा विभाग

३. प्रशासन विभाग

४. वित्त विभाग

शैक्षणिक विभाग की तीन शाखाएँ हैं, जिनके नाम हैं:—

१. शैक्षणिक शाखा

२. शोध और प्रकाशन शाखा

३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

इनमें से प्रत्येक शाखा का प्रधान अधिकारी एक एक उप-निदेशक होता है । ये सभी अधिकारी संस्थान के निदेशक की सहायता करते हैं जो संस्थान का सर्वोच्च कार्यपालक अधिकारी होता है और साधारण सभा एवं शासी परिषद् द्वारा स्वीकृत नीतियों और कार्यक्रमों के संपादन के लिए उत्तरदायी होता है । संस्थान का निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है ।

## २.१ शैक्षणिक विभाग

इसकी तीन शाखाएँ हैं—

### २.१.१ शैक्षणिक शाखा

यह शाखा मुख्यत: शैक्षिक स्तर के निर्धारण, विभिन्न पाठ्यक्रमों के निर्माण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त यह शाखा संस्कृत संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का कार्य भी करती है ।

### २.१.२ अनुसंधान एवं प्रकाशन शाखा

यह शाखा संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों के प्रकाशन और अनुसंधान कार्यों के समन्वय और कार्यान्वयन से सम्बद्ध है । यह संस्थान के अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी करती है ।

### २.१.३ पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

यह शाखा पत्राचार पाठ्यक्रम के सुचारु रूप से संचालन के लिए उत्तरदायी है । यह पाठ्यक्रम दो स्तर पर संचालित है—

(क) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

(ख) संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

## २.२ परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है—

| | |
|---|---|
| प्रथमा | (कक्षा VIII) |
| पूर्वमध्यमा | (कक्षा X) |
| उत्तरमध्यमा | (कक्षा XII) |
| प्राक्शास्त्री | (कक्षा XII) |
| शास्त्री | (बी० ए०) |
| आचार्य | (एम० ए०) |
| शिक्षाशास्त्री | (बी० एड्०) |

इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्री में प्रवेश के लिए प्रतियोगी प्रवेश-परीक्षा पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) का आयोजन भी किया जाता है ।

यह विभाग शोध-उपाधियां प्रदान करने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों और सम्बद्ध संस्थाओं के विद्यार्थियों के शोध-प्रबंधों का मूल्यांकन एवं उनकी मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है ।

## २.३ प्रशासन विभाग

यह विभाग संस्थान और उसके अंगीभूत विद्यापीठों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है । नियुक्तियों, पदस्थापन, स्थानान्तरण तथा अन्य स्थापना संबंधी कार्यों की योजना बनाना और विद्यापीठों पर नियन्त्रण रखना इस विभाग का प्रमुख दायित्व है ।

## २.४ वित्त विभाग

इस विभाग का कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना है । यह भविष्य निधि का भी प्रबन्ध करता है और शिक्षा मन्त्रालय की योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि का भी वितरण करता है ।

## विद्यापीठ

निम्नलिखित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठ हैं—

| क्रम सं० | विद्यापीठ का नाम | स्थान |
|---|---|---|
| १. | गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | इलाहाबाद |
| २. | श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | पुरी |
| ३. | श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | जम्मू |
| ४. | गुरूवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | त्रिचूर |
| ५. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | जयपुर |
| ६. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | लखनऊ |
| ७. | श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ | शृंगेरी (कर्नाटक) |

ये विद्यापीठ निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं:—

| क्रम सं० | पाठ्यक्रम | के समकक्ष |
|---|---|---|
| १. | प्रथमा | मिडिल |
| २. | पूर्वमध्यमा | सेकेण्डरी |
| ३. | उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री | सीनियर सेकेण्डरी |
| ४. | शास्त्री | बी.ए. |
| ५. | आचार्य | एम.ए. |
| ६. | शिक्षाशास्त्री | बी.एड. |
| ७. | शिक्षाचार्य | एम.एड. |
| ८. | विद्यावारिधि | पी-एच.डी. |

प्रथमा से उत्तरमध्यमा तक का पाठ्यक्रम विद्यालय स्तर का है, जिसका संचालन केवल पुरी और जम्मू विद्यापीठ में होता है । प्राक्शास्त्री यद्यपि विद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम है, लेकिन बफर कोर्स होने के कारण इसे सभी विद्यापीठों में चलाया जाता है ।

# ३. शैक्षणिक विभाग

## ३.१ शैक्षणिक शाखा

इस विभाग का प्रधान अधिकारी उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस विभाग में निम्नलिखित पदाधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. एक शोध सहायक

३. एक सहायक

४. एक उच्च श्रेणी लिपिक

५. दो निम्न श्रेणी लिपिक

६. दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह अनुभाग निम्नलिखित क्रियाकलापों से सम्बन्धित है—

### (क) शैक्षिक क्रियाकलाप

यह संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों का प्रमुख व्यस्थापक है । विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम-निर्माण इसका मुख्य कार्य है । प्रथमा से आचार्य तक के संस्कृत विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए तदर्थ रूप से अलग-अलग विषय समितियों का गठन किया जाता है । इनकी संस्तुतियों को अध्ययन मण्डल (बोर्ड आफ स्टडीज) के समक्ष विचारार्थ रखा जाता है, जिसका गठन आवश्यकतानुसार किया जाता है ।

जहां तक अंग्रेजी, हिन्दी और आधुनिक विषयों जैसे इतिहास आदि के पाठ्यक्रम का प्रश्न है, केन्द्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है । शास्त्री कक्षा के लिए आधुनिक विषयों जैसे हिन्दी और अंग्रेजी आदि के लिए समान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को अपनाया जाता है ।

### (ख) छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति कार्यक्रम की दो प्रमुख शाखाएं है जिसमें से एक विद्यापीठ के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने संबंधित है । यह छात्रवृत्ति प्रत्येक विद्यापीठ के बजट से दी जाती है । वर्ष १९९६-९७ में अंगीभूत विद्यापीठों के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों का विवरण इस प्रकार है :

| क्रम सं० | विद्यापीठ का नाम | छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|---|
| १. | गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद | ११ |
| २. | श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी | ४०२ |
| ३. | श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू | १२४ |
| ४. | गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, केरल | ११९ |
| ५. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर | २४७ |
| ६. | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ | ९० |
| ७. | राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी (कर्नाटक) | ५३ |

दूसरी छात्रवृत्ति विद्यापीठ के छात्रों के अतिरिक्त अन्य छात्रों/शोधार्थियों के लिए है जो दो प्रकार की है:—

१. परम्परागत पाठशालाओं के विद्यार्थियों के लिए शोध-छात्रवृत्ति ।

२. मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्ति (इन्टर, बी० ए०, एम.ए.,पी-एच.डी.) और उसके समकक्ष परम्परागत पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए ।

वर्ष १९९६-९७ के दौरान छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

| क्रम सं० | पाठ्यक्रम | नई छात्रवृत्तियां (प्रथम वर्ष) | नवीकरण (द्वितीय वर्ष) |
|---|---|---|---|
| १. | प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा | ४७ | ०१ |
| २. | इन्टर मीडियेट | ४३३ | १७२ |
| ३. | बी० ए० | ३२१ | १३७ |
| ४. | शास्त्री | ६६ | ०२ |
| ५. | एम० ए० | १४५ | १५ |
| ६. | आचार्य | ८९ | — |
| ७. | पी-एच० डी० | ६५ | ०६ |
| ८. | विद्यावारिधि | ३५ | ०१ |
| | | १२०१ | ३३४ |

(ग) प्रवेश

संस्कृत के विभिन्न परीक्षा-निकायों की परीक्षाओं की समकक्षता को ध्यान रखते हुए संस्थान के विद्यापीठों में छात्रों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया जाता है। वर्ष १९९६-९७ के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है—

| क्रम सं० | विद्यापीठ | प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या | अनुसूचित जाति/ जनजाति |
|---|---|---|---|
| १. | इलाहाबाद | ११ | — |
| २. | पुरी | ५१६ | १६ |
| ३. | जम्मू | २०९ | १२ |
| ४. | गुरुवायूर | २०२ | २० |
| ५. | जयपुर | ३२४ | ११ |
| ६. | लखनऊ | १४७ | १९ |
| ७. | शृंगेरी | ९१ | १३ |

(घ) छात्रावास-सुविधा

वर्ष १९९६-९७ में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गयी जिनकी संख्या निम्नलिखित है:—

| क्रम सं० | विद्यापीठ | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|---|
| १. | इलाहाबाद | — |
| २. | पुरी | १३० |
| ३. | जम्मू | ४० |
| ४. | गुरुवायूर | — |
| ५. | जयपुर | ५५ |
| ६. | लखनऊ | ५० |
| ७. | शृंगेरी | ०९ |

(ङ) संस्थाओं की सम्बद्धता

संस्थान का प्रारम्भ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था। बाद में कुछ स्वतन्त्र संस्थाओं को भी इससे सम्बद्ध कर लिया गया। पिछले कुछ वर्षों से सम्बद्ध संस्थाओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक

"ग" में दी गयी है । इन स्वतन्त्र संस्कृत संस्थाओं को प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के पाठ्यक्रमों के लिए सम्बद्धता दी गई है ।

### ३.२ शोध और प्रकाशन शाखा

शोध और प्रकाशन शाखा का प्रमुख एक उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में इस शाखा में निम्नलिखित कर्मचारी कार्यरत हैं—

१. दो शोध सहायक

२. दो सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. दो निम्न श्रेणी लिपिक

५. एक पुस्तकालय सहायक

६. एक पुस्तकालय परिचर

७. दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

यह शाखा मुख्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए उत्तरदायी है । इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्थानान्तरित निम्नलिखित योजनाओं को क्रियान्वित करने का कार्य भी किया जाता है—

१. संस्कृत-साहित्य के साथ-साथ संस्कृत समाचारपत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन ।

२. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण ।

३. संस्कृत की पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन ।

प्रस्तुत वर्ष में अनुदान समिति की तीन बैठकें हुईं जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अनेक प्रस्ताव स्वीकृत किए गए । आल इण्डिया काशीराज ट्रस्ट, वाराणसी को महापुराणों के समीक्षात्मक संपादन व प्रकाशन की परियोजना के अन्तर्गत १,७९,४०० रुपए की वार्षिक अनुदान राशि स्वीकृत की गई । शोधमण्डल की एक बैठक हुई, जिसमें अन्य अनुशंसाओं के अतिरिक्त ५९ शोधछात्रों का विद्यावारिधि (पी.एच्. डी.) हेतु पञ्जीकरण किया गया ।

जम्मू विद्यापीठ के द्वारा काश्मीर-शैव-दर्शन का केन्द्र चलाया जा रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन पर एक सौ से अधिक पाण्डुलिपियों का संकलन किया जा चुका है । उनमें से कुछ का संपादन कार्य चल रहा है । काश्मीर-शैव-दर्शन कोष भी मुद्रणाधीन है ।

### ३.३. पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा

पत्राचार पाठ्यक्रम शाखा की स्थापना शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत की गयी थी । यह शाखा १० वर्षों से अधिक समय से पत्राचार के माध्यम से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रारम्भिक स्तर पर संस्कृत के शिक्षण का कार्य कर रही है । यह द्विवर्षीय पाठ्क्रम दो स्तरों में विभाजित है, जिसमें से प्रत्येक में २१ पाठ हैं ।

वर्ष १९९६ के अन्तर्गत (जनवरी से दिसम्बर १९९६ तक) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है—

| प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| (क) हिन्दी माध्यम | ६०९ |
| (ख) अंग्रेजी माध्यम | ७०१ |
| **द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम** | |
| (क) हिन्दी माध्यम | ५२ |
| (ख) अंग्रेजी माध्यम | ५२ |
| कुल योग | १४१४ |

यह पाठ्यक्रम भारतीय छात्र के लिए मात्र ५०-०० रुपये वार्षिक और विदेशी छात्र के लिए २० अमेरिकी डालर शुल्क लेकर चलाया जाता है।

इन पाठ्यक्रमों को और अधिक लोकप्रिय बनाने और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान करने के लिए संस्थान ने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रचार के लिए बहुत से कदम उठाए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों के अतिरिक्त अनेक उच्च पदाधिकारियों एवं विभिन्न आयु-वर्ग के लोगों ने पत्राचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है और संस्कृत सीख रहे हैं।

जो शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, उन्हें **संस्कृत-प्रवेश** नामक प्रमाण पत्र दिया जाता है।

# ४. परीक्षा विभाग

परीक्षा विभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं, जिनके नीचे दो और अधिकारी सहायक निदेशक और अनुभाग अधिकारी हैं। संस्थान की परीक्षाओं का आयोजन इसका मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि की परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत विद्यापीठों तथा सम्बद्ध संस्थाओं दोनों के परीक्षार्थी परीक्षा में बैठते हैं। ये परीक्षाएं विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुरूप बनाए गए पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष १९९६-९७ में परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है—

| क्रम सं० | कक्षा | परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या | उत्तीर्ण | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| १. | प्रथमा-तृतीय वर्ष | २०४ | १०४ | ६८.६% |
| २. | पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष | ८६३ | ७२५ | ८५% |
| ३. | पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष | ३८६ | ३०८ | ८१% |
| ४. | उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष | १३९ | १२३ | ८८.५% |
| ५. | उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष | १८८ | १४५ | ७७.१% |
| ६. | प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष | ६१७ | ४८५ | ७८.६% |
| ७. | प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष | ३७१ | ३१७ | ८५.४% |
| ८. | शास्त्री प्रथम वर्ष | ७०६ | ६०१ | ८५% |
| ९. | शास्त्री द्वितीय वर्ष | ६०५ | ५७६ | ९५% |
| १०. | शास्त्री तृतीय वर्ष | ३८८ | ३४० | ८७% |
| ११. | आचार्य प्रथम वर्ष | ५९५ | ५५४ | ९३% |
| १२. | आचार्य द्वितीय वर्ष | ३५३ | ३१३ | ८८.६% |
| १३. | शिक्षाशास्त्री | ४३६ | ४०९ | ९३.८% |

इसके अतिरिक्त वर्ष १९९६-९७ में ३८ शोधार्थियों को उनके शोध-प्रबन्धों पर विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गयी। वर्ष १९९६-९७ में विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों में शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश के लिए पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा आयोजित की गयी।

# ५. प्रशासन विभाग

इस विभाग का प्रमुख उप-निदेशक होता है । प्रस्तुत वर्ष में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी इस विभाग में कार्य कर रहे हैं—

१. एक अनुभाग अधिकारी

२. तीन सहायक

३. एक उच्च श्रेणी लिपिक

४. पाँच निम्न श्रेणी लिपिक

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन विभाग नियमानुसार कार्यालय को व्यवस्थित ढंग से चलाने का कार्य करता है । यह संस्थान के अंगीभूत विद्यापीठों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है । यह विभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना संबंधी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन की प्राप्ति, नए केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, संस्थान की साधारण सभा एवं शासी परिषद् की बैठकों का संचालन आदि करता है ।

जिन विद्यापीठों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए जमीन प्राप्त करने और उनके लिए भवन बनाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं । जम्मू, जयपुर, लखनऊ, पुरी, एवं शृंगेरी विद्यापीठों के भवन निर्माण की प्रक्रिया चल रही है ।

# ६. वित्त विभाग

इस विभाग का प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक है । इसमें एक अनुभाग अधिकारी, एक सहायक, दो उच्च श्रेणी लिपिक तथा तीन निम्न श्रेणी लिपिक हैं ।

**बजट (१९९६-९७)**

वर्ष १९९५-९६ के बचे हुए १०.८१ लाख रुपये को वित्तीय वर्ष १९९६-९७ में समाविष्ट किया गया । मन्त्रालय के द्वारा इस वर्ष कुल मिलाकर १०१५ लाख रुपये की राशि (पूर्व वर्ष की अवशिष्ट राशि सहित) स्वीकृत की गई । इस राशि को अंगीभूत इकाइयों में निम्नलिखित प्रकार से वितरित किया गया है:— (रूपये का अंक लाखों में)

| इकाई | | योजनागत | योजनेतर | कुलयोग |
|---|---|---|---|---|
| १. | मुख्यालय | ३३४.५० | २८८.६५ | ६२३.१५ |
| २. | पुरी विद्यापीठ | — | ७७.१२ | ७७.१२ |
| ३. | जम्मू विद्यापीठ | २.०० | ६२.३४ | ६४.३४ |
| ४. | इलाहाबाद विद्यापीठ | ७.३५ | ४२.१३ | ४९.४८ |
| ५. | गुरुवायूर विद्यापीठ | — | ४२.५७ | ४२.५७ |
| ६. | जयपुर विद्यापीठ | — | ४४.१७ | ४४.१७ |
| ७. | लखनऊ विद्यापीठ | — | ३८.०२ | ३८.०२ |
| ८. | शृंगेरी विद्यापीठ | ७६.१५ | — | ७६.१५ |
| | कुल योग | ४२०.०० | ५९५.०० | १०१५.०० |

यह राशि वेतन, भत्ते, छात्रवृत्तियां एवं अन्य रख रखाव की मदों पर खर्च की गई । खर्च से बची ३३.९४ लाख रुपये (योजनागत ७.४३ लाख रुपये तथा योजनेतर २६.५१ लाख रुपये) की धनराशि स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों एवं आदर्श पाठशालाओं की अनुदान राशि मुक्त करने सम्बन्धी पत्रों के मंत्रालय से विलम्ब से प्राप्त होने के कारण अवशिष्ट रही ।

**लेखा**

अंगीभूत विद्यापीठों का लेखा सम्बद्ध महालेखाकार द्वारा विधिवत् परीक्षित एवं प्रमाणित किया गया । वर्ष १९९६-९७ का समेकित लेखा दिनांक ६-८-१९९७ से २-९-१९९७ तक डी० जी० ए० सी० आर० के द्वारा परीक्षित किया जा चुका है, किन्तु प्रतिवेदन अभी प्राप्त नहीं हुआ है । समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का विवरण संलग्नक "च" में दिया गया है ।

**भविष्य निधि खातों का रख-रखाव**

यह विभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन और भविष्य निधि वालों का रख-रखाव करता है । वित्तीय वर्ष के अंत में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को उसके वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया ।

**लेखा परीक्षा आपत्तियों का निराकरण**

वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए । इसके लिए सभी विद्यापीठों को यह निर्देश दिया गया कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें । इसके अनुपालन में लेखा परीक्षाधिकारियों को उत्तर भेजे गए । इस प्रकार इस वर्ष में बहुत सी लेखा-परीक्षा-आपत्तियों को निपटाया गया ।

# ७. योजना अनुभाग

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्थानान्तरित अनेक योजनाओं को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान क्रियान्वित कर रहा है । जैसे:—

**(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता**

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संस्कृत संस्थाओं को संस्कृत अध्यापकों के वेतन, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, तथा विद्यालय के भवन निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । प्राप्त वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत ५२७ संस्थाओं को १४४.१२ लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई ।

**(ii) आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान**

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में १६ संस्थाएं चल रही हैं । प्रस्तुत वर्ष में पश्चिम बंगाल की दो और संस्थाओं को आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई । वे हैं—श्री सीताराम आदर्श वैदिक महाविद्यालय, कलकत्ता एवं ठाकुर गदाधर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, आरामबाग, हूगली, पश्चिम बंगाल । इस वर्ष योजना में ७३.३१ लाख तथा योजनेतर में १०६.२३ लाख रुपये (कुल १७९.५४ लाख रुपए) की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई ।

**(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना**

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है ।

इस योजना को आरंभ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके ।

योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है । इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार ने १७ लाख रुपये की राशि योजना मद में स्वीकृत की है । प्रत्येक विद्वान् को १००० रुपये प्रतिमाह प्रथमत: दो वर्ष के लिए दिये जाते हैं । अनुदान-समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है ।

सम्प्रति इस योजना के अन्तर्गत १२५ विद्वान् कार्यरत हैं ।

**(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना**

इस योजना के अन्तर्गत व्यावसायिक विषयों जैसे ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पेलियोग्राफी, कैटलागिंग, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि में कार्यगोष्ठियों के आयोजन तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए चुने हुए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

भारत सरकार के द्वारा इस योजना के अन्तर्गत ३ लाख रुपये स्वीकृत किए गये हैं । अनुदान समिति की संस्तुति के आधार पर वर्ष १९९६-९७ में ११ संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गयी ।

**(v) संस्कृत शब्दकोश परियोजना**

ऐतिहासिक सिद्धांतों के आधार पर १५०० ई. पू. से १९०० ई. तक की अवधि का एक संस्कृत शब्द कोश डेकन कालेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है । यह परियोजना वर्ष १९४८ से आरम्भ की गई थी । डेकन कालेज पूना का संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग प्रधान संपादक की अध्यक्षता में कार्य कर रहा है । अब तक इस शब्दकोश के पाँच खण्ड और लगभग २८८७ पृष्ठ मुद्रित हो चुके हैं । कार्य प्रगति पर है । यह परियोजना प्रमुख रूप से भारत सरकार के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त है तथा महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी कुछ वित्तीय सहायता दी जाती है । वर्ष १९९६-९७ के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शब्द कोश परियोजना के लिए २२ लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है ।

# ८. विद्यापीठ

## ८-१ श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी

परम्परागत संस्कृत अध्ययन अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का १५ अगस्त १९७१ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अधिग्रहण किया गया । पुराने सदाशिव संस्कृत कालेज, पुरी का नाम बदल कर श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया ।

यह विद्यापीठ विभिन्न विभागों जैसे साहित्य, नव्यव्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैतवेदांत, नव्यन्याय, सर्वदर्शन आदि में प्रथमा से आचार्य तक का शिक्षण कार्य कर रहा है ।

इन विषयों के अतिरिक्त इसमें आधुनिक विषयों जैसे-अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित में शास्त्री और विद्यालय स्तर की कक्षाओं में संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन कार्य होता है । यहाँ शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जा रहा है ।

**प्रवेश**

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

| | कक्षा | छात्र संख्या |
|---|---|---|
| १. | प्रथमा-प्रथम वर्ष | ५ |
| २. | प्रथमा-द्वितीय वर्ष | ३ |
| ३. | प्रथमा-तृतीय वर्ष | ५ |
| ४. | पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष | ३ |
| ५. | पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष | २ |
| ६. | उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष | ५ |
| ७. | उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष | १६ |
| ८. | प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | ४६ |
| ९. | प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ३८ |
| १०. | शास्त्री प्रथम वर्ष | ६८ |
| ११. | शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४१ |
| १२. | शास्त्री तृतीय वर्ष | २० |

| | | |
|---|---|---|
| १३. | आचार्य प्रथम वर्ष | १२६ |
| १४. | आचार्य द्वितीय वर्ष | ७८ |
| १५. | शिक्षाशास्त्री | ६० |
| | कुल योग | ५१६ |

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १६ छात्रों को प्रवेश दिया गया।

**छात्रवृत्ति**

१९९६-९७ में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण इस प्रकार है:—

| | कक्षा | छात्र संख्या |
|---|---|---|
| १. | प्रथमा-प्रथम वर्ष | ५ |
| २. | प्रथमा-द्वितीय वर्ष | ३ |
| ३. | प्रथमा-तृतीय वर्ष | ५ |
| ४. | पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष | ३ |
| ५. | पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष | — |
| ६. | उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष | ५ |
| ७. | उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष | १४ |
| ८. | प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष | ३० |
| ९. | प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष | ३० |
| १०. | शास्त्री-प्रथम वर्ष | ५० |
| ११. | शास्त्री-द्वितीय वर्ष | ३८ |
| १२. | शास्त्री-तृतीय वर्ष | १९ |
| १३. | आचार्य-प्रथम वर्ष | १०४ |
| १४. | आचार्य-द्वितीय वर्ष | ६६ |
| | कुल योग | ४०२ |

## ८.२ गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद

गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, इलाहाबाद राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अंगीभूत एक शोध संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है । राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्यावारिधि उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए विद्यापीठ प्रतिवर्ष एक निश्चित संख्या में शोध छात्रों को प्रवेश देता है । विद्यापीठ में प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य के निर्देशन में कार्य करते हैं तथा पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि विभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं । विद्यापीठ का पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियां न केवल उसके छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित हैं अपितु विद्यापीठ संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार इसके पुस्तकालय के उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है ।

विद्यापीठ के शैक्षिक सदस्य शोधार्थियों के निर्देशन के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर शोध-कार्य भी करते हैं । विद्यापीठ की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है ।

प्रस्तुत वर्ष १९९६-९७ में विद्यापीठ में ११ शोधार्थियों को विद्यावारिधि के लिए नामांकित किया गया ।

**परियोजनाएँ—** १. पाण्डुलिपियों का संग्रह व संरक्षण

२. वेदभाष्य कोष का निर्माण

३. वैदिक व्याकरण कोश

४. छः अन्य पाण्डुलिपियों का समीक्षात्मक संपादन

५. शोध पत्रिका का संपादन

## ८-३ श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली ने ०१ अप्रैल, १९७१ को अधिग्रहण किया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया । प्रथमा से आचार्य तक के विद्यार्थी यहाँ विभिन्न विषयों जैसे-साहित्य, न्याय, व्याकरण, फलित ज्योतिष और सर्वदर्शन का अध्ययन करते हैं । संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए १९७९ में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम आरंभ किया गया । शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी और राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है ।

इस विद्यापीठ को काश्मीर शैव दर्शन कोश तैयार करने के उद्देश्य से कश्मीर शैवदर्शन परियोजना का दायित्व सौंपा गया था ।

विद्यापीठ १४-७-१९७१ से किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है । जम्मू और कश्मीर सरकार ने भवन-निर्माण के लिए भलवल में भूमि स्वीकृत की है । इस पर चारदीवारी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है ।

**प्रवेश**

प्रस्तुत वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है:—

| कक्षा | छात्र संख्या |
|---|---|
| प्रथमा-प्रथम वर्ष | ७ |
| प्रथमा-द्वितीय वर्ष | ४ |
| प्रथमा-तृतीय वर्ष | १३ |
| पूर्वमध्यमा-प्रथम वर्ष | १३ |
| पूर्वमध्यमा-द्वितीय वर्ष | ३ |
| उत्तरमध्यमा-प्रथम वर्ष | ५ |
| उत्तरमध्यमा-द्वितीय वर्ष | ५ |
| प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष | २४ |
| प्राक्शास्त्री-द्वितीय वर्ष | ७ |
| शास्त्री-प्रथम वर्ष | १९ |
| शास्त्री-द्वितीय वर्ष | ११ |
| शास्त्री-तृतीय वर्ष | १७ |
| आचार्य-प्रथम वर्ष | १६ |
| आचार्य-द्वितीय वर्ष | ५ |
| शिक्षाशास्त्री | ५९ |
| विद्यावारिधि | ३ |
| कुल योग | २१२ |

प्रस्तुत वर्ष में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के १२ विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया।

इस विद्यापीठ में जम्मू और कश्मीर राज्य के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, नेपाल आदि अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रवेश दिया जाता है। विद्यापीठ के पास अपना भवन न होने के कारण इसका कार्यालय, पुस्तकालय एवं कक्षाएं किराए के भवन में चलायी जाती हैं। इसी प्रकार छात्रावास भी किराए के भवनों में है। इस वर्ष ४० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

**छात्रवृत्तियां**

| कक्षा | संख्या |
|---|---|
| प्रथमा प्रथम वर्ष | ४ |
| प्रथमा द्वितीय वर्ष | ४ |
| प्रथमा तृतीय वर्ष | ५ |

| | |
|---|---|
| पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष | ६ |
| पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष | १ |
| उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष | ५ |
| उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष | ४ |
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | १४ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ३ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | १० |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ८ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | १६ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | १३ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | ५ |
| विद्यावारिधि | २६ |
| कुल योग | १२४ |

## ८-४ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरानाटुकरा, त्रिचूर

गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जो संस्थान द्वारा अधिग्रहण से पूर्व साहित्यदीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संचालित सात विद्यापीठों में से एक है । शैक्षिक सत्र १९९६-९७ में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है:—

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री-प्रथम वर्ष | ३० |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | १७ |
| शास्त्री-प्रथम वर्ष | २० |
| शास्त्री-द्वितीय वर्ष | २० |
| शास्त्री-तृतीय वर्ष | १८ |
| आचार्य-प्रथम वर्ष | १८ |
| आचार्य-द्वितीय वर्ष | १६ |
| शिक्षाशास्त्री | ५७ |
| विद्यावारिधि | ६ |
| कुल योग | २०२ |

**छात्रवृत्ति**

विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्तियों की संख्या इस प्रकार है:—

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | १९ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ६ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | १४ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ५ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | १० |
| आचार्य प्रथम वर्ष | १५ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | १५ |
| शिक्षाशास्त्री | २९ |
| विद्यावारिधि | ६ |
| कुल योग | ११९ |

विद्यावारिधि के तीन छात्रों को इस वर्ष उपाधि प्रदान की गई।

इस वर्ष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के १९ छात्रों ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश लिया।

## ८-५ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

यह विद्यापीठ राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किए गए अनुरोध के फलस्वरूप मई १९८३ में संस्थापित किया गया। वर्तमान में इस विद्यापीठ में तीन विभाग हैं:—

१. शोध एवं प्रकाशन

२. शास्त्री, आचार्य विभाग

३. प्रशिक्षण विभाग

प्रस्तुत वर्ष में क्रियाकलापों का विवरण इस प्रकार है:—

**प्रवेश**

| कक्षा | छात्र संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | २५ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | १८ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | ५८ |

| | |
|---|---|
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४८ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ४५ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | ५१ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | २० |
| शिक्षाशास्त्री | ५९ |
| विद्यावारिधि | ६ |
| कुल योग | ३३० |

**छात्रवृत्ति का विवरण**

| कक्षा | संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | २२ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ११ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | ४१ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४४ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ४१ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | ४२ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | ९ |
| शिक्षाशास्त्री | ३० |
| कुल योग | २४७ |

अनुसूचित, जाति/ अनुसूचित जनजाति के ११ विद्यार्थी को प्रवेश दिया गया। इस वर्ष ५५ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है।

## ८-६ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ

**प्रवेश**

१९९६-९७ शैक्षिक वर्ष में इस विद्यापीठ में छात्रों के प्रवेश का विवरण निम्नलिखित है:—

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | २२ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ११ |

| | |
|---|---|
| शास्त्री प्रथम वर्ष | २४ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ७ |
| आचार्य-प्रथमवर्ष | १३ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | ६ |
| शिक्षाशास्त्री | ६० |
| कुलयोग | १४७ |

**छात्रवृत्ति**

प्रस्तुत वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है:—

| कक्षा | विद्यार्थियों की संख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | ७ |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | १० |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | २१ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ६ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | ८ |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | ४ |
| शिक्षाशास्त्री | ३० |
| कुल योग | ९० |

इस वर्ष अनुसूचित जाति/जनजाति के १९ विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।

इस वर्ष ५० विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी।

## ८-७ राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, शृंगेरी

शृंगेरी में मानव संसाधन विकास मंत्री की उपस्थिति में दिनांक ५-३-१९९२ को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का उद्घाटन किया गया। विद्यापीठ शृंगेरी मठ के किराए के एक भवन में कार्यरत है।

**प्रवेश**

वर्ष १९९६-९७ में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार रही :

| कक्षा | छात्रसंख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | — |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ४ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | ३ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ११ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ७ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | — |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | २ |
| शिक्षाशास्त्री | ५७ |
| कुल योग | ८४ |

**छात्रवृत्ति**

प्रकृत वर्ष में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है;—

| कक्षा | छात्रसंख्या |
|---|---|
| प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष | — |
| प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष | ३ |
| शास्त्री प्रथम वर्ष | ३ |
| शास्त्री द्वितीय वर्ष | ९ |
| शास्त्री तृतीय वर्ष | ७ |
| आचार्य प्रथम वर्ष | — |
| आचार्य द्वितीय वर्ष | २ |
| शिक्षाशास्त्री | २९ |
| कुल योग | ५३ |

इस वर्ष नौ विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा-प्रदान की गई।

# ९. वर्ष की मुख्य घटनायें

वर्ष १९९६-९७ में कई महत्त्वपूर्ण घटनायें हुईं, उनमें से कुछ नीचे निर्दिष्ट हैं—

## ९.१ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भवन का उद्घाटन एवं संस्कृत दिवस समारोह—

माननीय श्री मुही राम सैकिया, शिक्षा राज्य मंत्री संस्थान के नवनिर्मित भवन का २८ अगस्त १९९६ को उद्घाटन करते हुए

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के ५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली-५८ स्थित नूतन भवन का उद्घाटन **संस्कृत दिवस** के शुभावसर पर दिनांक २८ अगस्त, १९९६ को माननीय श्री मुहीराम सैकिया, शिक्षा राज्य मन्त्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस नवीन भवन में कई अतिरिक्त सुविधायें उपलब्ध कराई गई हैं, जो पहले उपलब्ध नहीं थीं जैसे पुस्तकालय, संस्थान के प्रकाशनों का विक्रय केन्द्र, कैंटीन, संगणक कक्ष, सम्मेलन कक्ष, समिति कक्ष, मूल्यांकन कक्ष, अतिथि कक्ष इत्यादि।

माननीय श्री मुही राम सैकिया, शिक्षा राज्य मंत्री संस्कृत दिवस समारोह १९९६ का उद्घाटन करते हुए, साथ में डॉ० शिवमूर्ति स्वामी, मानार्ह अध्यक्ष, दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन, श्री प्रणव रंजन दास गुप्ता, शिक्षा सचिव, भारत सरकार

इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित संस्कृत दिवस १९९६ का माननीय शिक्षा राज्य मन्त्री श्री मुहीराम सैकिया ने उद्घाटन एवं अध्यक्षता की। इस अवसर पर संस्थान की रजत जयन्ती ग्रन्थमाला के अन्तर्गत प्रकाशित सात ग्रन्थों का विमोचन किया गया और उनके लेखकों को सम्मानित किया गया। माननीय श्री प्रणव रंजन दास गुप्ता, शिक्षा सचिव, भारत सरकार ने सभा को सम्बोधित किया।

माननीय श्री प्रणव रंजन दासगुप्ता, शिक्षा सचिव, भारत सरकार, संस्कृत दिवस समारोह १९९६ के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए

दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन के मानार्ह अध्यक्ष डॉ० शिवमूर्ति स्वामी ने विशिष्ट व्याख्यान दिया । इस अवसर पर समारोह की श्रीवृद्धि करने वालों में उल्लेखनीय हैं, पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री डॉ० जगन्नाथ मिश्र, गोवा के उपमुख्य मंत्री डॉ० विल्फ्रेड् डी'सूज़ा, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री रंगनाथन, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति, माननीय श्री दलबीर भंडारी, मणिपुर से सांसद श्री चौबा सिंह, कर्नाटक से सांसद श्री मल्लिकार्जुन एवं भारत के विभिन्न भागों के विशिष्ट विद्वान् ।

## ९.२ रजत जयन्ती ग्रन्थमाला

माननीय श्री रमाकान्त डी. खलप, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री भारत सरकार संस्थान की रजत जयन्ती ग्रन्थमाला के लेखकों को सम्मानित करते हुए साथ में डॉ० कमलाकान्त मिश्र, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

संस्थान के रजत जयन्ती समारोहों के क्रम में संस्कृत विद्या के विविध विधाओं में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के मूर्धन्य मनीषियों के द्वारा प्रणीत २५ पुस्तकों का प्रकाशन संस्थान ने रजत जयन्ती ग्रन्थमाला के अन्तर्गत किया जिनकी सूची परिशिष्ट 'छ' पर दी गई है। ये पुस्तकें वर्ष १९९५-९६ एवं ९६-९७ में प्रकाशित की गईं। ग्रन्थमाला की अन्तिम सात पुस्तकों का विमोचन संस्कृत दिवस समारोह में २८ अगस्त, १९९६ को किया गया। ग्रन्थमाला के सभी २५ लेखकों को इस अवसर पर आमंत्रित किया गया तथा माननीय श्री रमाकान्त डी० खलप, विधि एवं न्याय राज्यमंत्री भारत सरकार के द्वारा उपस्थित सभी लेखकों का अभिनन्दन किया गया।

## ९.३ स्थापना दिवस समारोह १९९६

डॉ० के० पी० ए० मेनोन्, पूर्व रक्षा सचिव, भारत सरकार और श्री जे० वीर राघवन, निदेशक, भारतीय विद्या भवन
स्थापना दिवस समारोह १९९६ का उद्घाटन करते हुए साथ में डॉ० कमलाकान्त मिश्र, निदेशक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपने २६वें स्थापना दिवस को १५ अक्तूबर १९९६ के दिन अपने नूतन परिसर ५६- ७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-५८ में मनाया। भारत सरकार के पूर्व रक्षा सचिव डॉ के० पी० ए० मेनोन् ने समारोह का उद्घाटन किया एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पूर्व सचिव, तथा भारतीय विद्या भवन के निदेशक श्री जे० वीरराघवन् ने समारोह की अध्यक्षता की। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों एवं स्थानीय संबद्ध संस्कृत संस्थाओं के छात्रों के लिए संस्कृत वादविवाद, कविता और श्लोकान्त्याक्षरी स्पर्धायें आयोजित की गईं। विजयी छात्रों को पुरस्कार वितरित किये गये।

## ९.४ दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन

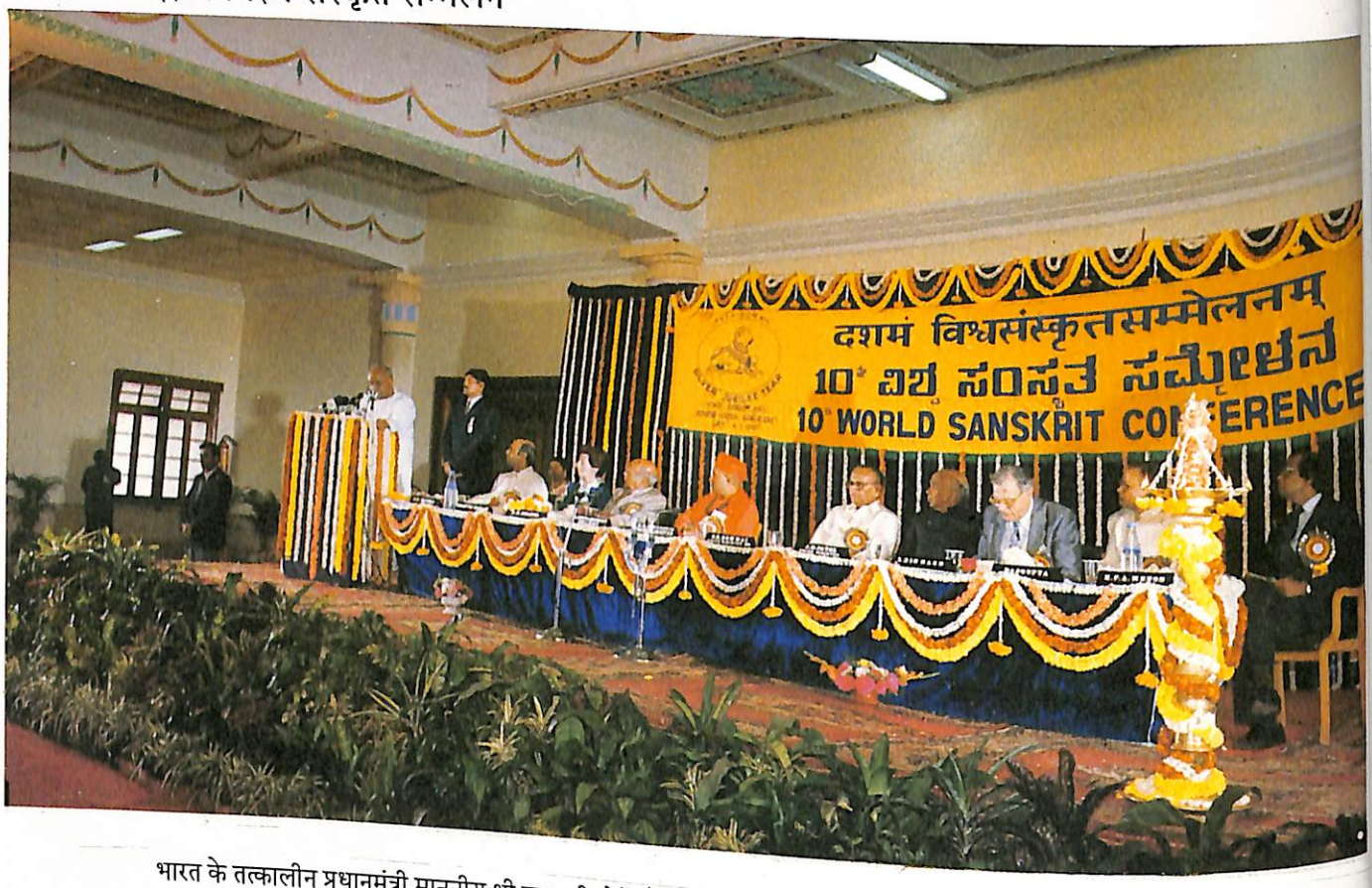


भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री माननीय श्री एच्॰ डी॰ देवेगौडा बंगलूर में दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए

दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं तरलबालु केन्द्र के द्वारा अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय के संयुक्त तत्त्वावधान में बंगलूर में ३ से ९ जनवरी १९९७तक किया गया। भारत के तत्कालीन प्रधान मन्त्री श्री एच्॰ डी॰ देवेगौडा ने बंगलूर के विधान सौध में सम्मेलन का उद्घाटन ४ जनवरी १९९७ को किया ।सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय श्री एस्॰ आर्॰ बोम्मायि ने की। दशम विश्व संस्कृत सम्मेलन का उद्देश्य था—**संस्कृत वाङ्मय के विविध क्षेत्रों में अध्ययन एवं शोध के सम्बन्ध में अन्तर्राष्ट्रिय विचार विनिमय**। सम्मेलन २० विभागों में विभाजित किया गया—

१. आगम और तंत्र

२. कला, वास्तुशिल्प तथा पुरातत्त्व विज्ञान

३. बौद्ध अध्ययन

४. लौकिक संस्कृत साहित्य

५. धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र

६. महाकाव्य एवं पुराण

७. हिन्दु अध्ययन

८. जैन अध्ययन

९. पाण्डुलिपियाँ एवं ऐतिहासिक संसाधन

१०. आधुनिक संस्कृत साहित्य

११. संगीत एवं ललित कला

१२. दर्शन

१३. काव्यशास्त्र एवं सौन्दर्य शास्त्र

१४. संस्कृत एवं प्रान्तीय भाषायें

१५, संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य

१६. संस्कृत में आयुर्विज्ञान

१७. संस्कृत एवं पर्यावरण

१८. संस्कृत एवं संगणक यन्त्र

१९. वेद तथा वेदांग

२०. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

चार पैनल भी आयोजित किये गये—

१. कर्नाटक का संस्कृत साहित्य को योगदान

२. संस्कृत एवं संगणन

३. पाण्डुलिपियों का संरक्षण

४. संस्कृत एवं कृषि ।

इनके अतिरिक्त पण्डित परिषद् और संस्कृत कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें समस्त चर्चा संस्कृत में की गई ।

सम्मेलन में भारत के लगभग १५०० विद्वानों के अतिरिक्त विश्व के २६ देशों के लगभग दो सौ विदेशी विद्वानों ने भी भाग लिया । सम्मेलन के चार दिवसों में (४, ५, ७, ८ जनवरी १९९७) संध्या काल में भारत के विभिन्न भागों का प्रतिनिधित्व करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये । सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के लिए ६ जनवरी १९९७ को दर्शनीय स्थानों पर भ्रमण करने के लिए अन्तःसम्मेलन यात्रा आयोजित की गई ।

इस अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तीन पुस्तकों का प्रकाशन किया गया—

**१. संस्कृत स्टडीज़ इन इंडिया**

**२. संस्कृत स्टडीज़ आउट साइड इंडिया**

**३. संस्कृत-विमर्शः (दशमविश्वसंस्कृतसम्मेलनविशेषाङ्कः) ।**

सम्मेलन के प्रतिभागियों को ये प्रकाशन निःशुल्क वितरित किये गये । उद्घाटन समारोह में कर्नाटक के मुख्यमंत्री माननीय श्री जे० एच० पटेल ने इन प्रकाशनों का विमोचन किया । कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम श्री खुर्शीद आलम खाँ ने ८ जनवरी १९९७ को समापन समारोह में सभा को संबोधित किया ।

## ९.५ अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा

त्रिचूर में ७ मार्च १९९७ को सम्पन्न अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा का समापन एवं दीक्षान्त समारोह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा ५-७ मार्च १९९७ को त्रिचूर केरल में अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा समायोजित की गई जिसका उद्घाटन भारत के पूर्व रक्षा सचिव एवं कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ डॉ० के०पी०ए० मेनोन् के द्वारा किया गया। त्रिदिवसीय इस समारोह में संस्कृत के आठ शास्त्रों—साहित्य, व्याकरण, सांख्ययोग, ज्योतिष, न्याय, धर्मशास्त्र, अद्वैत वेदान्त और मीमांसा में संस्कृत में वाक्स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसके साथ ही श्लोकान्त्याक्षरी और समस्यापूर्ति प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें संस्कृत की पारम्परिक पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजयी छात्रों को स्वर्ण/रजत/कांस्य पदकों से पुरस्कृत किया गया।

## ९.६ गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का दीक्षान्त समारोह

अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के अवसर पर ७ मार्च १९९७ को त्रिचूर में गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। भारत के पूर्व रक्षा सचिव एवं कुलाधिपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ डॉ० के०पी०ए० मेनोन् ने दीक्षान्तभाषण दिया।

**स्वर्ण पदक प्रदान करने की योजना का शुभारम्भ :** इस अवसर पर संस्थान ने वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत करने की योजना का शुभारम्भ किया। संस्थान की १९९५ और १९९६ वर्षीय सभी परीक्षाओं में प्रथम स्थान पाने वाले छात्रों को इस दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। स्वर्ण पदक पाने वाले छात्रों की सूची परिशिष्ट 'च' पर दी गई है।

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

## साधारण सभा के सदस्यों की सूची

| | | |
|---|---|---|
| १. | श्री एस० आर० बोम्मायि<br>मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार | अध्यक्ष |
| २. | श्री एम० आर० सैकिया<br>शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार | उपाध्यक्ष |
| ३. | वित्तीय सलाहकार<br>मानव संसाधन विकास मन्त्रालय | सदस्य |
| ४. | शिक्षा सलाहकार<br>योजना आयोग, योजना भवन<br>नयी दिल्ली | सदस्य |
| ५. | संयुक्त सचिव (भाषा)<br>(शिक्षा विभाग)<br>मानव संसाधन विकास मन्त्रालय | सदस्य |
| ६. | श्री कमलेशदत्त त्रिपाठी<br>प्रोफेसर (संस्कृत)<br>प्राच्यविद्या संकाय<br>(संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय)<br>बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय<br>वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०) | सदस्य |
| ७. | प्रो० श्रीनिवास रथ<br>पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत)<br>विक्रम विश्वविद्यालय<br>१८-कालिदास मार्ग,<br>उज्जैन-४५६००१ (म० प्र०) | सदस्य |

८. स्वामी श्री गोकुलानन्द — सदस्य
रामकृष्ण मिशन
रामकृष्ण आश्रम मार्ग
नयी दिल्ली-११००५५

९. श्री पद्मचरण सामन्त राय — सदस्य
पूर्वाधीक्षक (संस्कृत अध्ययन)
ग्राम/पो. ओ. उराली
कटक-७५३०११ (उड़ीसा)

१०. डा० के० टी० पाण्डुरंगी — सदस्य
उपकुलपति
पूर्णप्रज्ञ संस्कृत विद्यापीठ
नं० १३२/४, ब्लाक-तीन, जयनगर
बंगलौर-५६००११ (कर्नाटक)

११. डा० विश्वनाथ बनर्जी — सदस्य
प्रोफेसर (संस्कृत) (अवकाश प्राप्त)
निचू बंगला, विश्वभारती
शान्ति निकेतन-७३१२३५ (पं० बंगाल)

१२. प्रो० सरोजा भाटे — सदस्य
प्रोफेसर (संस्कृत)
पूना विश्वविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र)

१३. प्रो० सीताराम शास्त्री — सदस्य
अवकाश प्राप्त प्रोफेसर (संस्कृत)
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी (उ०प्र०)

१४. प्रो० रामकरण शर्मा — सदस्य
पूर्व-उपकुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
६३-विज्ञान विहार, दिल्ली

१५. निदेशक — सदस्य
एशियाटिक सोसायटी
कलकत्ता (पं० बंगाल)

१६. महासचिव — सदस्य
अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन
पूना (महाराष्ट्र)

| | | |
|---|---|---|
| ८. | स्वामी श्री गोकुलानन्द<br>रामकृष्ण मिशन<br>रामकृष्ण आश्रम मार्ग<br>नयी दिल्ली-११००५५ | सदस्य |
| ९. | श्री पद्मचरण सामन्त राय<br>पूर्वाधीक्षक (संस्कृत अध्ययन)<br>ग्राम/पो. ओ. उराली<br>कटक-७५३०११ (उड़ीसा) | सदस्य |
| १०. | डा० के० टी० पाण्डुरंगी<br>उपकुलपति<br>पूर्णप्रज्ञ संस्कृत विद्यापीठ<br>नं० १३२/४, ब्लाक-तीन, जयनगर<br>बंगलौर-५६००११ (कर्नाटक) | सदस्य |
| ११. | डा० विश्वनाथ बनर्जी<br>प्रोफेसर (संस्कृत) (अवकाश प्राप्त)<br>निचू बंगला, विश्वभारती<br>शान्ति निकेतन-७३१२३५ (पं० बंगाल) | सदस्य |
| १२. | प्रो० सरोजा भाटे<br>प्रोफेसर (संस्कृत)<br>पूना विश्वविद्यालय, पुणे (महाराष्ट्र) | सदस्य |
| १३. | प्रो० सीताराम शास्त्री<br>अवकाश प्राप्त प्रोफेसर (संस्कृत)<br>बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय<br>वाराणसी (उ०प्र०) | सदस्य |
| १४. | प्रो० रामकरण शर्मा<br>पूर्व-उपकुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय<br>६३-विज्ञान विहार, दिल्ली | सदस्य |
| १५. | निदेशक<br>एशियाटिक सोसायटी<br>कलकत्ता (पं० बंगाल) | सदस्य |
| १६. | महासचिव<br>अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन<br>पूना (महाराष्ट्र) | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| १७. | निदेशक<br>कुप्पूस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट,<br>८४, रोयापीठ हाई रोड<br>मैलापुर, मद्रास-६०००० ४ | सदस्य |
| १८. | डा० उमारमण झा<br>प्राचार्य<br>गुरुवायुर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ<br>पो० ओ० पुरानाटुक्करा, त्रिचूर (केरल) | सदस्य |
| १९. | निदेशक<br>राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान<br>नई दिल्ली | सदस्य-सचिव |

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

## शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

| | | |
|---|---|---|
| १. | श्री एस० आर० बोम्मायि<br>मानव संसाधन विकास मन्त्री<br>शास्त्री भवन<br>नयी दिल्ली | अध्यक्ष |
| २. | श्री एम० आर० सैकिया<br>शिक्षाराज्यमन्त्री, भारत सरकार | उपाध्यक्ष |
| ३. | वित्तीय सलाहकार<br>मानव संसाधन विकास मन्त्रालय | सदस्य |
| ४. | संयुक्त सचिव (भाषा)<br>शिक्षा विभाग<br>मानव संसाधन विकास मन्त्रालय<br>भारत सरकार<br>नई दिल्ली | सदस्य |
| ५. | श्री कमलेश दत्त त्रिपाठी<br>प्रोफेसर (संस्कृत)<br>प्राच्यविद्या संकाय<br>संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय<br>बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय<br>वाराणसी-२२१००५ (उ० प्र०) | सदस्य |
| ६. | स्वामी श्री गोकुलानन्द<br>रामकृष्ण मिशन<br>रामकृष्ण आश्रम मार्ग<br>नयी दिल्ली | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| ७. | श्री श्रीनिवास रथ<br>पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत)<br>विक्रम विश्विद्यालय<br>१८-कालिदास मार्ग, उज्जैन-४५६००१ (मध्य प्रदेश) | सदस्य |
| ८. | श्री पद्मचरण सामन्त राय<br>पूर्व-अधीक्षक (संस्कृत अध्ययन)<br>ग्राम/पो० ओ० उराली<br>कटक-७५३०११ (उड़ीसा) | सदस्य |
| ९. | निदेशक<br>राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान<br>नयी दिल्ली | सदस्य-सचिव |

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(१) स्थायी रूप से सम्बद्ध संस्थाएं

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| १. | लक्ष्मी देवी सर्राफ आदर्श संस्कृत पाठशाला<br>काली रेखा वैद्यनाथ धाम<br>देवधर (बिहार) | प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| २. | आर्यकन्या गुरुकुल<br>न्यू राजेन्द्र नगर<br>नयी दिल्ली | प्रथमा<br>पूर्वमध्यमा<br>उत्तर मध्यमा<br>शास्त्री |
| ३. | श्री समन्तभद्र संस्कृत महाविद्यालय<br>दरियागंज<br>नई दिल्ली | प्रथमा<br>पूर्वमध्यमा<br>उत्तर मध्यमा<br>प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| ४. | कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ<br>पोस्ट आफिस बालूसरी<br>जिला कालीकट, (केरल) | प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| ५. | कोडांगलूर विद्यापीठ<br>पैलेस रोड, पो० कोडांगलूर<br>जिला-त्रिचूर (केरल) | प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| ६. | श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठम्<br>पो० इडाक्काडम, इजहूकेन, क्वीलोन, केरल<br>केरल | पूर्वमध्यमा<br>उत्तरमध्यमा<br>शास्त्री<br>प्राक्शास्त्री<br>आचार्य |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| ७. | मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>भारतीय विद्याभवन, के० एम० मुन्शी मार्ग<br>मुम्बई | प्राक्शास्त्री<br>शास्त्री<br>आचार्य |
| (२) | **सम्बद्ध संस्थाएं १९९६-९७** | |
| १. | जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय<br>लगमा, ग्राम० पो० रामभद्रपुर<br>वा० लोहनारोड जिला दरभंगा (बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| २. | राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ<br>कोलहन्टापटोरी पो० पटोरी<br>बसंत जिला दरभंगा (बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्मध्यमा- प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष (सि०व फ०) व्याकरण) |
| ३. | डा० रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय<br>मालीघाट, मुज्फ्फरपुर (बिहार) | प्रथमा- प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथमा, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य—प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन) |
| ४. | श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय<br>एफ-४८७/३, रघुवीर नगर<br>नई दिल्ली-११००२७ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा- प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री—प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| ५. | वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यापीठ<br>वसंत नगर, नयी दिल्ली-११००५७ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| ६. | ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य<br>राजघाट पावर हाऊस<br>गांधी समाधि, नई दिल्ली | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| ७. | वेद संस्थान<br>सी-२२, राजौरी गार्डन<br>नई दिल्ली | विद्यावारिधि |
| ८. | हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ<br>बघौला, तहसील-पलवल<br>जिला फरीदाबाद (हरियाणा) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, व्याकरण) |
| ९. | रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय<br>पो०-अरूणापुरम्, प्लाई (केरल) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| १०. | कालडी प्लाटिनम जुबली उच्च अध्ययन<br>संस्कृत कालेज, शृंङ्गेरी मठ<br>कालडी जिला-एर्णाकुडम् (केरल) | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>(व्याकरण) |
| ११. | मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ<br>डी० एम० कालेज कैम्पस<br>इम्फाल मणिपुर | प्राक्शास्त्री-प्रथमा, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| १२. | नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ,<br>गंगापुर सिटी-३२२२०१<br>जिला-सवाईमाधोपुर (राजस्थान) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| १३. | आदर्श संस्कृत विद्या परिषद्<br>सल्ट महादेव<br>जिला-पौडी गढवाल (उ० प्र०) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| १४. | श्री वटुकानाथ संस्कृत महाविद्यालय<br>बी-२२/१९५, द्वारिकाधीश मन्दिर,<br>शंकुलधारा, वाराणसी-२२१०१० | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम-द्वितीय<br>(साहित्य, नव्य व्याकरण) |
| १५. | श्री बिल्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय,<br>बिल्वेश्वर, पो० सिलयर, जिला०-मामर<br>टिहरी गढ़वाल (उ० प्र०) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| १६. | पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय<br>दौरा पो० (कंटई) जिला-मिदनापुर<br>पश्चिम बंगाल—७२१५०१ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय,<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| १७. | ठाकुर गदाधर विद्यापीठ,<br>पो० आरामबाग (कालीपुर)<br>जिला हुगली (पश्चिमबंगाल) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री,-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण,<br>साहित्य, नव्यन्याय) |
| १८. | श्री अंबाजी संस्कृत विद्यालय,<br>निवेतिया रोड, वसंत<br>मुंबई (महाराष्ट्र)—४०००९७ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| १९. | एकेडेमी आफ संस्कृत रिसर्च<br>मेलकोटे | शास्त्री-प्रथम, द्वितीय द्वितीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(वेदांत, व्याकरण)<br>विद्यावारिधि |
| २०. | इन्द्रप्रस्थ संस्कृत विद्यापीठ,<br>बुद्धविहार, नई दिल्ली-११०००७ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय,<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| २१. | श्री महर्षि कण्व संस्कृत विद्यालय,<br>उदयरामपुर, कोटद्वार,<br>गढ़वाल, उ० प्र० | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| २२. | श्री सीतारामदास ओंकारनाथ संस्कृत<br>शिक्षा संसद, वेकुण्ठधाम-१०७.<br>साउदर्न एवेन्यू १२ वीं मंजिल,<br>कलकत्ता-७०००२९ | प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्यन्याय, अद्वैतवेदांत, प्राचीन न्याय) |
| २३. | श्री शंकर संस्कृत महाविद्यालय,<br>वीमेन्स चैरिटेबुल सोसायटी,<br>प्रधान कार्यालय, उलीन,<br>त्रिवेन्द्रम—६९५०११ | विद्यावारिधि<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| २४. | श्री टीबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय,<br>नैनीताल रोड, बरेली-उ० प्र० | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| २५. | इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साईंस<br>बी-५/१७१, कृष्णनगर,<br>दिल्ली-११००५१ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>पूर्वमध्यमा—प्रथम द्वितीय |
| २६. | श्री महावीर विद्यापीठ<br>पश्चिम विहार,<br>नई दिल्ली | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य—(साहित्य व्याकरण, सर्वदर्शन)<br>विद्यावारिधि |
| २७. | श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय,<br>रमेशनगर,<br>नई दिल्ली—१५ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, व्याकरण, न्याय) |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| २८. | आलोक संस्कृत महाविद्यालय,<br>महेन्द्र गढ़ (हरियाणा) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री - प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| २९. | भारतीय संस्कृत महाविद्यालय,<br>पायनूर-६७०३०७ | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| ३०. | बाल विद्या मन्दिर<br>रोहिणी, पूठ कलाँ<br>दिल्ली—११००४१ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| ३१. | श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय,<br>(राम विद्या सोसायटी के अंतर्गत)<br>मंडावली, दिल्ली-११००९२ | आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष,<br>फलित और सिद्धांत) |
| ३२. | विवेकानंद संस्कृत पाठशाला<br>विवेकानंद आश्रम,<br>विवेकानंद नगर, पो, हिवाटा,<br>(बी.यू.) तहसील मोहेकर,<br>जिला बलधाना-(महाराष्ट्र) ४४३३०१ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| ३३. | श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय,<br>श्री कौशलेन्द्र मठ, पो० पलाडी,<br>सुरखेज रोड़<br>अहमदाबाद-गुजरात—३८०००७ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय तृतीय<br>पूर्वमध्यमा, प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत) |
| ३४. | हरेश्वर संस्कृत विद्यापीठ,<br>लिंग्म दार्जिलिंग हरलोक,<br>लिंग्स बाया रीनक,<br>पूर्व सिक्किम-७३७१३३ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| ३५. | गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ,<br>मोदीनगर, उत्तर प्रदेश | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| ३६. | श्री कृष्ण प्रणामि संस्कृत महाविद्यालय,<br>प्रणामि नगर (दादरी गेट)<br>भिवानी, हरियाणा | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| | | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय,<br>(साहित्य, व्याकरण) |
| ३७. | डा० मण्डन मिश्र,<br>माध्यमिक संस्कृत विद्यालय,<br>संजात बेगुसराय<br>(बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय |
| ३८. | आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,<br>जौरा,<br>जिला-मुरैना (म० प्र०) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| ३९. | श्री चन्द्रिका दास<br>संस्कृत महाविद्यालय,<br>घौरी, भोजपुर (बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तर मध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्य व्याकरण, वेद,<br>ज्योतिष, दर्शन) |
| ४०. | श्री शंकराचार्य अभिनव सच्चिदानन्दतीर्थ<br>संस्कृत महाविद्यालय, द्वारका-३६१३३५ गुजरात | प्रथमा, प्रथम, तृतीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री, प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य—प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नवव्याकरण) |
| ४१. | श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय,<br>समर्थेश्वर महादेव<br>एलिस ब्रिज,<br>अहमदाबाद—६ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| ४२. | एम. जे. पी संस्कृत महाविद्यालय<br>नस्नपुर,<br>अहमदाबाद-१३ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय तृतीय |
| ४३. | देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर<br>संस्कृत महाविद्यालय,<br>रामचन्द्रपुर | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम |
| ४४. | रानी पद्मावती तारा योग तंत्र<br>महाविद्यालय संस्थान इन्द्रपुर,<br>(शिवपुर) वाराणसी | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य नव्यव्याकरण, फलित<br>ज्योतिष, सर्वदर्शन, कर्मकाण्ड, वेद) |
| ४५. | गान्धी संस्कृत महाविद्यालय,<br>पवरी गोहनिया, पो.ओ. जंसरा,<br>इलाहाबाद | प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य, नव्यव्याकरण) |
| ४६. | कुप्पुस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट<br>८४, थिरु वीका रोड<br>रोयापीठ हाई रोड, मैलापुर,<br>मद्रास, ६००००४ (तमिलनाडू) | विद्यावारिधि |
| ४७. | अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय<br>पी-ओ. कौधियार,<br>इलाहाबाद (उ० प्र०) | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम द्वितीय<br>(साहित्य व्याकरण) |
| ४८. | बाबा हरदित गिरि विद्यालय<br>संस्कृत-प्रचारिणी अखारा<br>शिरहिन्द सिटी, जिला पटियाला- | प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| ४९. | श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय<br>जी. टी. रोड., मुरथल जिला-सोनीपत<br>हरियाणा | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| ५०. | अक्षरधाम सेन्टर फार<br>रिसर्च इन सोशल हारमोनी<br>श्री अक्षरपुरूषोत्तम टेम्पल,<br>शाहिबंग, अहमदाबाद— | विद्यावारिधि |
| ५१. | पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठ<br>पूर्णाप्रज्ञ नगर, बंगलौर—५६००२८ | विद्यावारिधि |
| ५२. | सरस्वती आदर्श संस्कृत<br>महाविद्यालय, वेगूसराय<br>बिहार | प्रथमा-प्रथम द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री—प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>आचार्य-प्रथम, द्वितीय<br>(साहित्य व्याकरण) |
| ५३. | श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्याप्रतिष्ठान<br>रमौली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर)<br>बहेरा, दरभङ्गा (बिहार) | प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा— प्रथम, द्वितीय |
| ५४. | प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय<br>दयालपुर, सारण विहार | प्रथमा, प्रथम, द्वितीय, तृतीय |
| ५५. | अजित कुमार मेहता<br>संस्कृत शिक्षण संस्थान,<br>पो० लहदरा जि० समस्ती पुर<br>(बिहार) | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (साहित्य) |
| ५६. | लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक<br>संस्कृत माध्यमिक विद्यालय<br>झंझारपुर, मधुबनी, बिहार | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय |
| ५७. | देववाणी संस्कृत विद्यालय<br>पो० आ० त्रियुगी नारायण, चमोली (उ० प्र०) | पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |

| क्रम सं० | संस्था का नाम | पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है |
|---|---|---|
| ५८. | राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय<br>करोला, दिल्ली-११००८१ | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम द्वितीय |
| ५९. | राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, नाम्बूल<br>मणिपुर | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| ६०. | प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान, जयपुर | ज्योतिषकोविद |
| ६१. | रामदल संस्कृत महाविद्यालय<br>दरीबां कलाँ, दिल्ली | प्रथमा-प्रथम, द्वितीय<br>पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय<br>शास्त्री-प्रथम, द्वितीय |
| ६२. | भारतीय विद्या संस्थान<br>लाजपतराय कॉलेज कैम्पस<br>साहिबाबाद (यू.पी.) | विद्यावारिधि |
| ६३. | तपोवन संस्कृत महाविद्यालय<br>नजफगढ़ (दिचाऊँ कलाँ) नई दिल्ली-११००४३ | प्रथमा, प्रथम |
| ६४. | शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ<br>१०२१-१०२४, गली शक्ति मन्दिर<br>दरियागंज, नई दिल्ली-११००२ | प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा—प्रथम, द्वितीय<br>उत्तरमध्यमा—प्रथम, द्वितीय |
| ६५. | हरेवली संस्कृत विद्यापीठ<br>दिल्ली-३१ | प्रथमा—प्रथम, द्वितीय, तृतीय<br>पूर्वमध्यमा—प्रथम<br>शास्त्री—प्रथम |
| ६६. | ज्वालपाधाम संस्कृत महाविद्यालय,<br>ज्वालपा देवी मन्दिर<br>पौड़ी गढ़वाल | |

# संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली संघ एवं राज्य सरकारों के नामों की सूची

१. नं० ६/१२/७१ (डी) कैबिनेट सचिवालय
कार्मिक विभाग, भारत सरकार,
नयी दिल्ली

| | | |
|---|---|---|
| १-प्रथमा | = | मिडिल स्कूल |
| २-मध्यमा | = | उच्चतर माध्यमिक |
| ३-शास्त्री | = | बी.ए. |
| ४. आचार्य | = | एम.ए. |
| ५. शिक्षाशास्त्री | = | बी. एड |
| ६. विद्यावारिधि | = | पी-एच. डी. |
| ७. वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

२. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग
नं० ७२५/७१६१(३)/७२ भोपाल,
दिनांक ५.१२.१९७२

३. पंजाब सरकार, नं० ४७२-४६८-II ७२२६८६
दि० जनवरी १९७१ — वही

४. शिक्षा निदेशक मणिपुर
११/८/७१ एस ई दिनांक ३० अगस्त १९७२ — वही

५. शिक्षा निदेशक दिल्ली
एफ-३२/१२५/शिक्षा/७२
दिनांक २९-१-१९७२ — वही

६. गोआ, दमन और दीव,
विशेष/स्थापना/२६६५-११
दिनांक २३ अक्टूबर १९७२ — वही

७. तमिलनाडु सरकार,
ज्ञापन सं० ९४१२०/एच-१७२, २ शिक्षा
दिनांक—२ जनवरी, १९७३
पत्र संख्या-एल. डिस ३५०३३/०४ — वही

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षाशास्त्री | = | बी. एड. |
| प्रथमा | = | मिडिल स्कूल |
| उत्तरमध्यमा | = | उच्चतर माध्यमिक |
| पूर्वमध्यमा | = | मैट्रिक |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ८. | महाराष्ट्र सरकार-८२/दि० २४-९-८२<br>अनुरोध सं०-एस. एस. एन. ३२७१/१५७४२७-ई<br>दिनांक २३ अक्टूबर १९७२ | उत्तरमध्यमा | = | सीनियर स्कूल, सर्टिफिकेट प्राक्शास्त्री |
| ९. | उत्तरप्रदेश सरकार सं० १०/२/१२१९<br>नियुक्ति (४) लखनऊ<br>दिनांक २७ अगस्त १९७३ | प्रथमा | = | मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) |
| | | पूर्वमध्यमा | = | हाईस्कूल |
| | | उत्तरमध्यमा | = | इन्टरमीडिएट |
| | | शास्त्री | = | बी. ए. |
| | | आचार्य | = | एम. ए. |
| | | शिक्षाशास्त्री | = | बी. एड. |
| | | विद्यावारिधि | = | पी.एच.डी. |
| | | वाचस्पति | = | डी. लिट् |
| १०. | हरियाणा सरकार सं० २१८, जी शिक्षा<br>(एस ई) ७४/१४६२० चंडीगढ़<br>दिनांक १३-५-७४ | प्रथमा | = | मिडिल—VIII |
| | | मध्यमा | = | हायर सकैंडरी या इंटरमीडिएट |
| | ज्ञापन संघ-डी ४/५०-७३-सी ओ (२)<br>दिनांक १२-२-१९८६ | शास्त्री | = | बी.ए. |
| | | आचार्य | = | एम.ए. |
| | | शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड |
| | | विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| | | वाचस्पति | = | डी. लिट् |
| | | शिक्षाशास्त्री | = | ओ. टी. |

# संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालयों के नामों की सूची

१. महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, पत्र सं० एसी/११/२२१ दिनांक ३०-६-९३

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

२. सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं० सामान्य/मान्यता/९७४ दिनांक १६.६.७८

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | इंटरमीडिएट |
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

३. विक्रम विश्वविद्यालय प्रशासन/मान्यता/७३ दिनांक १ अगस्त १९७३

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी.एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट् |

४. आन्ध्र विश्वविद्यालय पत्र सं० १ (६) ३९२५/७२ दिनांक २७-९-९३

| | | |
|---|---|---|
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड |

५. राजस्थान विश्वविद्यालय संदर्भ सं० एफ-४-१/७२ (शैक्षिक-११/११४६/ए दिनांक २५-५-७३ जयपुर

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |

६. कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं० जी ए (डी ४) ८९९/७२ दिनांक २८-११-१९७३

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

| | | |
|---|---|---|
| विद्यावारिधि | = | पी-एच० डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

७. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय आर. ओ. सी. संख्या-सी. आई. ३३०१७/७३ दिनांक १२-१२-७३

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी. ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

८. मगध विश्वविद्यालय पत्र सं० ४७६७ ४८-२३ डी ११/बोधगया दिनांक ४-१२-७३

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | हायर सेकेण्डरी |
| शास्त्री | = | बी. ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी. एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच-डी. |

९. जम्मू विश्वविद्यालय पत्र संख्या-एफ. शैक्षिक V/१५३/७४/४/९५-९९ दिनांक १४-२-१९७४

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | पूर्व विश्वविद्यालय |
| शास्त्री-भाग-१ | = | बी. ए. भाग—१ |
| शास्त्री-भाग-३ | = | बी. ए. अंतिम वर्ष |
| आचार्य | = | एम. ए. संस्कृत या साहित्याचार्य |

१०. अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी २१/८३/७३ दिनांक २२-२-१९७४

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

११. बर्दवान विश्वविद्यालय आर. सी. आई/समानार्थक/१४१/३७६१७४ दिनांक २४-६-७४

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम |
| शास्त्री | = | कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय) |
| आचार्य | = | एम. ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच. डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

१२. कानपुर विश्वविद्यालय पी एस के बी/बोर्ड/४३१८/७४-७५ दिनांक २२-११-७४

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

१३. उत्कल विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी- १/आर. एम./१७१/५१०४६/७५ दिनांक १-७-१९९५

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |

(द्रष्टव्य क्रम सं० ३२ सी)

१४. पूना विश्वविद्यालय ई एल जी/समकक्षता-१०९/३९४९/दिनांक २६-४-१९७५

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री | = | प्री-डिग्री |
| शास्त्री | = | बी.ए.संस्कृत |
| आचार्य | = | एम. ए. संस्कृत |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड.संस्कृत |

१५. जयपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ई०/३०१३ दिनांक १३-५-१९७५

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

१६. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पत्र सं० ए सी एम-११/६११५ दिनांक ६-६-१९७५ और ए सी एम/११/१३७/७/७६११००० दिनांक ७-८-७५

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

१७. गुजरात विश्वविद्यालय परीक्षा/बी. मान्यता सं० ३२४८२ दिनांक १७-९-१९७५

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

१८. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् पत्र संख्या-एफ. ३६/ओईन ३१/संस्कृत/२२७२१ दिनांक २३-१२-७४

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | मिडिल स्कूल तथा परिषद् से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु। |

१९. केरल विश्वविद्यालय पत्र सं० सी-३/७२०/७६ जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक २२-३-७६

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

२०. विश्वभारती पत्र सं० जी-४-४३ दिनांक २३-४-७६

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच. डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

२१. भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं० ई वी—११९२२/७६/३२७३५ दिनांक ७-२-७६

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

२२. हिमाचलप्रदेश विश्वविद्यालय पत्र सं० १२/१३/७२ एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक १९-१२-७७

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच. डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

२३. दिल्ली विश्वविद्यालय पत्र सं०-१/मान्यता/डी/८४ दिनांक १४-११-८४

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | (बी.ए. पासकोर्स) एम. ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए |
| आचार्य | = | एम. ए. |

२४. संभलपुर विश्वविद्यालय पत्र सं० ११७२७/शैक्षिक-दिनांक ४-५-७९

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. (एम. ए. संस्कृत में प्रवेश हेतु) |

२५. श्री कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र संख्या-९३५६७४ दिनांक ४-१०-७४

| | | |
|---|---|---|
| मध्यमा | = | मध्यमा |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |
| शिक्षाशास्त्री | = | शिक्षाशास्त्री |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| वाचस्पति | = | विद्या वाचस्पति |

२६. कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ पत्र सं०-मान्यता/के- १०८/शैक्षिक/१५०४ दिनांक १२-७-७९

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम. ए. |

२७. गुरुनानक देव विश्ववद्यालय अमृतसर पत्र सं० सामान्य/मान्यता/३९२० दिनांक २२-४-१९८०

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

२८. मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं० सी आर-III/मान्यता /१९२५ दिनांक १७-३-१९८०

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |

(यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)

२९. पंजाब विश्वविद्यालय पत्र सं० एस-१६८८१ दिनांक २८-११-१९८०

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | प्राज्ञ |
| मध्यमा | = | विशारद |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |

३०. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं० ५१६३/८४/एस.जे. एस. बी. दिनांक १०-८-८४

| | | |
|---|---|---|
| प्रथमा | = | प्रथमा |
| पूर्वमध्यमा | = | मध्यमा |
| उत्तरमध्यमा | = | उपशास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | आचार्य |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि |
| वाचस्पति | = | वाचस्पति |

३१. बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, वरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं० ५१३१/शैक्षिक -११/बी यू/८४ दिनांक १६-४-८४

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. (पास) |
| आचार्य | = | एम. ए. (संस्कृत) |

३२. उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं० १८८२६ दिनांक ५-६-८४

| | | |
|---|---|---|
| आचार्य | = | एम. ए. संस्कृत |

(बी.ए.स्तर तक अंग्रेजी सहित)

३३. त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू काठमांडू नेपाल पत्र सं० ३७२/८४ दिनांक १९-९-८४

| | | |
|---|---|---|
| प्राकशास्त्री | = | प्राक्शास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |

३४. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं० जी-४५८/४०१९/७४-८५

| | | |
|---|---|---|
| प्राक्शास्त्री | = | प्राक्शास्त्री |
| शास्त्री | = | शास्त्री |

३५. भोपाल विश्वविद्यालय भोपाल पत्र सं० १११२/बी यू/शैक्षिक/८५ दिनांक १५-३-८५

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री | = | बी.ए. |
| आचार्य | = | एम.ए. |
| शिक्षाशास्त्री | = | बी.एड. |
| विद्यावारिधि | = | पी-एच.डी. |
| वाचस्पति | = | डी. लिट्. |

३६. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं० शै०-१७२२/९२ दिनांक २२-१२-९२

| | | |
|---|---|---|
| आचार्य | = | आचार्य |
| विद्यावारिधि | = | विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) |
| वाचस्पति | = | वाचस्पति (डी. लिट्.) |

३७. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पत्र सं०-ए सी एम/११/१३७/९२/३२४८९ दिनांक २८-१२-९२

| | | |
|---|---|---|
| शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) | = | बी.ए. (पास) टी डी सी (१० + १ + ३ योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण हो । |
| शास्त्री | = | शास्त्री |
| आचार्य | = | एम. ए. |

(यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)

३८. मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नयी दिल्ली के पत्र सं. एफ-७-२/८३-संस्कृत- २ दिनांक ३१ दिसम्बर १९९२

शिक्षाचार्य = एम.एड.

३९. रवि शंकर विश्वविद्यालय पत्र सं० २९४७/ए के ए मान्यता/९० रायपुर दिनांक ३-८-१९९०

४०. मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक ३ जनवरी १९९२

शास्त्री = अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए.

४१. अजमेर विश्वविद्यालय पत्र सं० एफ १४(१९३ शिक्षा-११/यू ओ ए/९२/३४००/३५०६ दिनांक ६ फरवरी १९९२

शिक्षाशास्त्री = बी.एड.

# प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले स्वर्णपदक विजेताओं की सूची

## (क) वार्षिक परीक्षा १९९५

| कक्षा | अनुक्रमांक | छात्र का नाम | विद्यापीठ का नाम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| प्रथमा | १११७ | विन्ध्याचल तिवारी | चन्द्रिका दास सं० वि० धौरी | ६२.८६% |
| पूर्व मध्यमा | २८२५ | वन्दना | राजकुमारी गणेश शर्मा सं० वि०, कोलहंटा पटोरी | ६६.०७% |
| उत्तर मध्यमा | १३७८ | मितालिदास | श्री सदाशिव के० सं० वि०, पुरी | ६४.७५% |
| प्राक्शास्त्री | ३६६१ | शिव कुमार | राजकुमारी गणेश शर्मा सं० वि०, कोलहंटा पटोरी | ६५.५% |
| शास्त्री | ६६८७ | आर्तत्राणमहाकुड़: | श्री सदाशिव केन्द्रीय सं० वि०, पुरी | ६८.१७% |
| शिक्षा-शास्त्री आचार्य | ८९१६ | महेश काकतकर | श्री राजीव गांधी के०सं०वि०, श्रृंगेरी | ७६.६% |
| १. साहित्य | ६४०८ | बासुकी नाथ झा | मुम्बादेवी संस्कृत म०वि०, बम्बई | ६४.४% |
| २. न० व्याकरण | ६१०२ | राजा राम झा | राजकुमारी गणेश शर्मा सं० वि० कोलहंटा पटोरी | ६७% |
| ३. धर्मशास्त्र | ६३४९ | राज श्री कान्ता | श्री सदाशिव केन्द्रीय सं० वि०, पुरी | ७७.९% |
| ४. सांख्ययोग | ६३६६ | टुकना देवी | श्री सदाशिव केन्द्रीय सं० वि०, पुरी | ६३.३% |
| ५. पुराणेतिहास | ६३५५ | पलिरानी दास | श्री सदाशिव केन्द्रीय सं० वि०, पुरी | ६५.८% |
| ६. सर्वदर्शन | ६५१८ | सत्यवान | महावीर वि०वि० पश्चिम विहार | ६६.२% |
| ७. फ० ज्योतिष | ६४०५ | पुरुषोत्तम शर्मा | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू | ७३.९% |
| ८. बौद्धदर्शन | ६४१० | परमानन्द सिंह | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, लखनऊ | ६७% |
| ९. अद्वैतवेदान्त | ६४४६ | राजेश कुमार पी | गुरूवायूर के०सं०वि० | ७४.१% |
| १०. पौरोहित्य | ६६१४ | लालबाबू पाण्डेय | रानी पद्मावती सं० म०वि०, वाराणसी | ६५.९% |
| ११. शु० यजुर्वेद | ६६५१ | श्री नारायण झा | लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श सं०म०वि०, देवधर | ६१.३% |

**डॉ. भागवत प्रसाद दूबे मैमोरियल पुरस्कार**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | ६३४९ | राज श्री कान्ता | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी | ७७.९% |

## (ख) वार्षिक परीक्षा १९९६

| कक्षा | अनुक्रमांक | छात्र का नाम | विद्यापीठ का नाम | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| प्रथमा | १३३८ | निडोम्बम श्रीमा देवी | राधा माधव सं० म० वि०, नम्बौल | ६६.८५% |
| पूर्व मध्यमा | ३१६९ | संजय भरद्वाज | नवजागृति सं० म० वि०, गंगापुर सिटी | ६९% |
| उत्तर मध्यमा | १४१२ | दिनेश चन्द्र नौटियाल | हनुमान सं० म० वि०, रघुवीर नगर | ६४.४% |
| प्राक्शास्त्री | ४७१८ | भारती कुमारी | राजकुमारी गणेश शर्मा सं० म०वि०, कोलहंटा पटोरी | ६१.८३% |
| शास्त्री | ७१९८ | श्रीजा के०पी० | गुरूवायूर केन्द्रीय सं०वि०, पुरनाटुकरा | ६६.२२% |
| आचार्य १. साहित्य | ६८४९ | ललित नारायण मिश्र | श्री सदाशिव के०सं०वि०, पुरी | ६०.२% |
| २. न० व्याकरण | ७१८२ | विश्वनाथ तिवारी | चन्द्रिका दास सं०म०वि०, धौरी | ६३.५% |
| ३. सर्वदर्शन | ७१०९ | राजबीर | महावीर वि०वि०, पश्चिम विहार | ६४% |
| ४. सि० ज्यो० | ६८४० | शिवाकान्त मिश्र | श्री सदाशिव के०सं०वि०, पुरी | ७५.५% |
| ५. धर्मशास्त्र | ६८८८ | दुर्गामणि पण्डा | श्री सदाशिव के०सं०वि०, पुरी | ६७.३% |
| ६. फ० ज्योतिष | ७२१२ | रंजीत कुमार चौधरी | राजकुमारी गणेश शर्मा सं०वि०, कोलहंटा पटोरी | ६८.२% |
| ७. फ० ज्योतिष | ७२३३ | अरुण कुमार मिश्र | डा० रामजी महथा सं०म०वि०, मुजफ्फरपुर | ६८.२% |
| ८. जैनदर्शन | ६५६० | अनिरुद्ध कुमार अनिल | समन्त भद्र सं०म०वि, दरियागंज | ६३.६% |
| ९. अ० वेदान्त | ६९५० | अजिकुमार पी० वि० | गुरुवायूर के०सं०वि०, पुरनाटुकरा | ७१.४% |
| १०. रामानन्द वेदान्त | ७२४० | सीताराम चार्य | रघुरुवर रामानन्द वे०सं०म०वि०, अहमदाबाद | ७०% |
| ११. वि०अ०वेदान्त | ६७३३ | वी० राम | एकेडमी आफ सं० रिसर्च, मालकोटे | ६९.२% |
| १२. शु०यजुर्वेद | ७२६१ | दामोदर मिश्र | रानी पद्मावती सं०म०वि०, वाराणसी | ८६.२% |
| १३. पुराणेतिहास | ६८३० | शश्वती त्रिपाठी | श्री सदाशिव के०सं०वि०, पुरी | ६३.३% |
| १४. पौरोहित्य | ७१३३ | अनिल कुमार जायवाल | रानी पद्मावती ता० सं०म०वि०, वाराणसी | ६२% |
| १५. सांख्ययोग | ६८१५ | उपमा विस्वाल | श्री सदाशिव वे०सं०वि०, पुरी | ६८.२% |
| शिक्षा-शास्त्री | ९२९५ | शिवचरण शर्मा | केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर | ७४.८% |

**डॉ० भागवत प्रसाद दूबे मैमोरियल पुरस्कार**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | ७२६१ | दामोदर मिश्र | रानी पद्मावती ता०सं०म०वि०, वाराणसी | ८६.२% |

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्वर्ण जयन्ती ग्रन्थमाला

१. **वाल्मीकिरामायणं कम्बरामायणञ्च**
(समीक्षात्मकं तुलनात्मकं संक्षिप्त कथावर्णनम्)

**आद्याचरण झा**
(पूर्व उपकुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
२० आशियाना मार्ग, पटना-८०००१४ (बिहार)

२. **कन्ट्रीब्यूशन ऑफ मिथिला टू संस्कृत काव्याज़ एण्ड साहित्य शास्त्राज़**

**प्रो० त्रिलोक नाथ झा**
(पूर्व प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा)
बेला गार्डन, पोलिटेक्निक चौक,
दरभंगा-८४६००४ (बिहार)

३. **चरक संहिता—ए सेम्पल सर्वे**

**डा० राम करण शर्मा**
अध्यक्ष,
अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन समवाय,
६३, विज्ञान विहार, दिल्ली-११००९२

४. **मानुषत्वाद् दैविकत्वं प्रति**

**डा० के० पी० ए० मेनोन्**
(पूर्व रक्षा सचिव, भारत सरकार)
२१५, कैलाश हिल्स, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली-११००६५)

५. **वेदवाग्विवृत्तिः**

**प्रो० मुनीश्वर झा**
(पूर्व उपकुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
१५३/५, ए.पी.सी. रोड,
कलकत्ता-७००००६ (पश्चिम बंगाल)

६. **शब्दलक्षणप्रामाण्यविमर्शः**

**प्रो० एन० एस० रामानुजताताचार्य**
(पूर्व उपकुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति)
१२१, पेरुमल कोयल स्ट्रीट, पांडिचेरी-६०५००१

७. **इन्ट्रोडक्शन टू पुराणाज़**
(दी लाइट हाउस ऑफ इण्डियन कल्चर)

**प्रो० पुष्पेन्द्र कुमार**
(पूर्व प्रोफेसर एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डी-२, छात्र मार्ग, दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-११०००७

८. महाकविविद्यापतिः

**प्रो० जयमन्त मिश्र**
(पूर्व उपकुलपति, कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालया दरभंगा)
हनुमान गंज, मिश्रा टोला,
दरभंगा-३४६००४ (बिहार)

९. संस्कृत ड्रामा-इन थियरी एण्ड प्रेक्टिस

**डा० एस० एस० जानकी**
(पूर्व निदेशक, के० एस० आर० इन्स्टीट्यूट, मद्रास)
१/१२, ट्रस्टपक्कम साउथ स्ट्रीट, मन्डावेली, मद्रास-६०००२८

१०. द्वैतवेदान्त दर्शन आफ मध्वाचार्य

**प्रो० के० टी० पाण्डुरंगी**
(पूर्व प्रोफेसर संस्कृत, बंगलोर विश्वविद्यालय, बंगलोर)
१३२/४, तृतीय ब्लाक, जयानगर,
बंगलोर-५६००११ (कर्नाटक)

११. श्री अरबिन्दो आन वेदिक डाइअटिज

**प्रो० रमारञ्जन मुखर्जी**
(कुलाधिपति, तिरुपति राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ)
१२५/१, सन्तोषपुरा एवेन्यू, कलकत्ता-७०००७५

१२. उपनिषदः एक परिचयः

**प्रो० वी० कुटुम्ब शास्त्री**
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पांडेचेरी विश्वविद्यालय.
आर० वेंकटारमन नगर, कालापत, पांडेचेरी-६०५०१४

१३. आचार्यो दण्डी

**डा० योगेश्वरदत्त शर्मा पाराशर**
(पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
१५-बी, हिन्दु कालेज, दिल्ली-११०००७

१४. लीजेण्ड्स इन पुराणाज़

**प्रो० एस० जी० कांटावाला**
(पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग,
एम. एस. विश्विद्यालय बड़ोदा)
'श्रीराम', कान्टरेश्वर महादेव पोल, बजवाड़ा,
बड़ोदा-३९०००१ (गुजरात)

१५. वैदिक आख्यान

**डा० पी० एन० कवठेकर**
(पूर्व उपकुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय)
१४५, अनूप नगर, इन्दौर-४५२००८ (मध्य प्रदेश)

| | | |
|---|---|---|
| १६. | कुमारिल भट्ट एण्ड मीमांसा फिलासफी | **डा० विश्व नारायण शास्त्री**<br>(उपाध्यक्ष, राज्य योजना बोर्ड)<br>'रितायना'<br>रेड क्रास रोड, चंदामरी,<br>गुवाहाटी-७८१००३ (आसाम) |
| १७. | आधुनिक काल का संस्कृत गद्य साहित्य | **डा० कलानाथ शास्त्री**<br>अध्यक्ष, राजस्थान संस्कृत अकादमी,<br>श्री वीरेश्वर भवन, गनगौरी बाजार, जयपुर-३ |
| १८. | तदेव गगनं सैव धरा | **प्रो०. श्रीनिवास रथ**<br>(पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय)<br>१८, कालिदास मार्ग, उज्जैन (मध्य प्रदेश) |
| १९. | भजगोविन्दम् | **श्री एम० एन० कृष्णमणि**<br>वरिष्ठ वकील, उच्च न्यायालय, भारत<br>'सरयू'<br>के-१०-ए, कैलाश कोलोनी, नई दिल्ली-११००४८ |
| २०. | वैज्ञानिकषाण्मुखम् | **प्रो० पी० श्रीरामचन्द्रुडु**<br>(पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग<br>उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद)<br>७-१-३२/४, पी-२, लीला नगर, बेगमपेट,<br>हैदराबाद-५०००१६ (आन्ध्र प्रदेश) |
| २१. | सांख्यदर्शन-पर्यालोचन | **प्रो० आद्या प्रसाद मिश्र**<br>(पूर्व उप-कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)<br>२६, बलरामपुर हाउस,<br>इलाहाबाद-२ (उत्तर प्रदेश) |
| २२. | केरलीय-संस्कृत-सन्देश-काव्य-समीक्षा | **प्रो० एन० पी० उन्नी**<br>(उप-कुलपति, श्री आदिशंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय)<br>२७/१३४८, श्रीलास्यम, रिषिमंगलम,<br>वानचियूर, त्रिवेन्द्रम्-६९५०३५ |
| २३. | सुवर्णद्वीपीय रामकथा | **प्रो० राजेन्द्र मिश्र**<br>अध्यक्ष, संस्कृत विभाग,<br>हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समर हिल,<br>शिमला-१७१००५ (हि० प्र०) |

२४. पण्डितराज-जगन्नाथस्य प्रातिभं वैभवम्

**प्रो० कैलासपति त्रिपाठी**
अध्यक्ष, साहित्य विभाग,
संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी-२२१००२ (उत्तर प्रदेश)

२५. ज्युरिडिकल स्टडीज़ इन कालिदास

**प्रो० सत्य पाल नारंग**
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-११०००७

# राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

परिशिष्ट-ज

## 1996-1997 वर्षीय प्रप्तियां तथा भुगतान का विवरण

| | प्राप्तियां | योजनागत | योजनेत्तर | योग |
|---|---|---|---|---|
| | लेखा शीर्ष | | | |
| 1. | पूर्व बकाया | | | |
| क. | हाथ में रोकड़ | 14,413.05 | 57,552.06 | 71,965.11 |
| ख. | बैंक में जमा रोकड़ | 6,79,432.45 | 3,30,948.70 | 10,10,381.15 |
| ग. | बैंक में जमा फोर्ड फाउडेशन | | 8,879.93 | 8,879.93 |
| घ. | बैंक में जमा पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट | | 1,20,903.60 | 1,20.903.60 |
| 2. | मन्त्रालय से अनुदान | | | |
| | अनुरक्षर | 413,06,000.00 | 5,91,13,000.00 | 10,04,19,000.00 |
| 3. | विविध प्राप्तियां | | | |
| क. | पत्राचार | — | 93,407.60 | 93,407.60 |
| ख. | परीक्षा | — | 3,99,035.00 | 3,99,035.00 |
| ग. | विविध प्राप्तियां | 1,832.44 | 4,94,649.89 | 4,96,482.33 |
| घ. | पू० शि० शास्त्री | — | 5,53,006.00 | 5,53,006.00 |
| ड. | छात्रावृत्ति वापसी | — | 70,450.00 | 70,450.00 |
| च. | भ०नि० ब्याज | — | 17,98,613.64 | 17,98,613.64 |
| | प्रकाशन से बिक्री | | | |
| क. | प्रकाशन (मंत्रालय) | 4,18,548.00 | — | 4,18,548.00 |
| ख. | प्रकाशन (संस्थान) | — | 75,757.43 | 75,757.43 |
| ग. | लाभ | — | 3,013.97 | 3,013.97 |
| 4. | वसूलियां | | | |
| क. | आयकर | 53,801.00 | 9,23,430.00 | 9,77,231.00 |
| ख. | स०/ अंशदायी भ० निधि | 2,98,540.00 | 66,04,411.00 | 69,02,951.00 |
| ग. | जी० आई० एस० | 2,260.00 | 59,177.30 | 61,437.30 |
| घ. | जीवन बीमा | — | 7,30,796.19 | 7,30,796.19 |
| ड. | अन्य विभागों से आय | 1,08,660.00 | 6,18,770.95 | 7,27,430.95 |
| च. | परीक्षा शुल्क | 6,730.00 | 99,490.00 | 1,06,220.00 |
| छ. | अ०ज०ज० छात्रवृत्ति (उडीसा) | — | 3,900.00 | 3,900.00 |
| ज. | जीवन बीमा निगम | — | 10,000.00 | 10,000.00 |
| ज | ब्याना एवं जमानत | — | 7,200.00 | 7,200.00 |
| झ. | पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन | — | 11,050.00 | 11,050.00 |
| ट. | छात्रकोष | — | 3,200.00 | 3,200.00 |

| | भुगतान | योजनागत | योजनेत्तर | योग |
|---|---|---|---|---|
| | भुगतान | | | |
| 1. | वेतन एवं भत्ते | 15,88,024.30 | 2,88,86,182.80 | 3,04,74,207.10 |
| 2. | चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 5,033.00 | 4,34,500.00 | 4,39,533.00 |
| 3. | यात्रा भत्ता | 91,919.00 | 9,13,144.30 | 10,05,063.30 |
| 4. | छात्रवृत्ति (विद्यापीठ) | 41,397.00 | 8,56,876.55 | 8,98,273.55 |
| 5. | छात्रवृत्ति (संस्थान) | — | 14,24,700.00 | 14,24,700.00 |
| 6. | छुट्टियों का भत्ता पैंशन | — | 19,304.00 | 19,304.00 |
| 7. | सेवानिवृत्ति लाभ | | | |
| क. | उपदान | — | 3,04,384.00 | 3,04,384.00 |
| ख. | पैंशन | — | 15,23,669.00 | 15,23,669.00 |
| ग. | अवकाश का नकदीकरण | — | 1,66,272.00 | 1,66,272.00 |
| 8. | अंशदायी/सा०भ०नि० | 10,605.00 | 44,288.00 | 54,893.00 |
| क | भ०नि०पर सं. का अंशदान | 87,102.00 | 18,25,650.10 | 19,12,752.10 |
| ख. | भ०नि०पर ब्याज | | | |
| 9. | फुटकर | 75,750.00 | 13,88,041.72 | 14,63,791.72 |
| क. | किराया एवं दरें कर | 1,236.00 | 1,12,170.02 | 1,13,406.02 |
| ख. | अनुरक्षण एवं मरम्मत | 53,643.00 | 4,67,221.26 | 5,20,864.26 |
| ग. | पोस्ट एवं टेलीफोन | — | 1,47,531.00 | 1,47,531.00 |
| घ. | विज्ञापन | 25,032.00 | 3,78,154.15 | 4,03,186.15 |
| ड. | लेखन सामग्री | — | 2,87,325.00 | 2,87,325.00 |
| च. | लेखा परीक्षा शुल्क | 2,776.00 | 3,33,181.15 | 3,35,957.15 |
| छ. | बिजली एवं पानी | 49,871.00 | 22,61,954.50 | 23,11,825.50 |
| ज. | विविध व्यय | 550.00 | 49,849.00 | 50,399.00 |
| झ. | वर्दियां | — | 54,761.00 | 54,761.00 |
| ट. | कानूनी व्यय | — | 2,44,111.00 | 2,44,111.00 |
| ठ. | कार | — | 4,41,321.00 | 4,41,321.00 |
| ढ. | पू०शि०शास्त्री | — | 25,439.00 | 25,439.00 |
| 10. | पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट | 16,68,819.00 | — | 16,68,819.00 |
| 11. | शास्त्र चूड़ामणि | 2,57,180.00 | — | 2,57,180.00 |
| 12. | विशेष अभिविन्यास | 16,42,456.00 | — | 16,42,456.00 |
| 13. | संस्कृत की किताब की खरीद | 25,59,335.00 | — | 25,59,335.00 |
| 14. | प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य | — | 22,00,000.00 | 22,00,000.00 |
| 15. | दक्षिण कालेज पूणे | — | 47,42,819.00 | 47,42,819.00 |
| 16. | राष्ट्रपति पुरस्कार | — | 6,000.00 | 6,000.00 |
| 17. | ब्याना एवं जमानत | — | 6,250.00 | 6,250.00 |
| 18. | पुस्तकालय सुरक्षा धन | — | 1,400.00 | 1,400.00 |
| 19. | छात्रकोष | — | 93,823.00 | 93,823.00 |
| 20. | टी०डी०आर० खरीद | — | 4,980.00 | 4,980.00 |
| 21. | छात्रों का मैडल | 73,31,000.00 | 1,06,23,017.00 | 179,54,017.00 |
| 22. | आदर्श पाठशाला | | | |

contd.....2/-

| प्राप्तियां | योजनागत | योजनेत्तर | योग |
|---|---|---|---|
| 8. अग्रिम अदायगी | | | |
| i. छुट्टी यात्रा भत्ता | — | 93,457.00 | 93,457.00 |
| ii. यात्रा भत्ता | 42,180.00 | 3,02,668.00 | 3,44,848.00 |
| iii. त्यौहार | 1,800.00 | 1,20,050.00 | 1,21,850.00 |
| iv. वाहन | 1,704.00 | 1,01,364.00 | 1,03,068.00 |
| v. विविध | 60,51,003.00 | 5,41,955.95 | 65,92,958.95 |
| vi. पंखा | — | 80.00 | 80.00 |
| vii. गृह निर्माण | 8,750.00 | 4,15,613.00 | 4,24,363.00 |
| viii. चिकित्सा | — | 5,000.00 | 5,000.00 |
| x. एच. आर. ए. | — | 12,000.00 | 12,000.00 |
| पुस्तकालय अग्रिम | — | 153.00 | 153.00 |
| 9. सावधि योजना पूर्ण | — | 85,000.00 | 85,000.00 |
| 10. सावधि योजना से प्राप्त ब्याज | — | 8,823.00 | 8,823.00 |
| कुल योग: | 4,89,95,653.94 | 7,38,76,807.21 | 12,28,72,461.15 |

ह०—

लेखा अधिकारी

| भुगतान | योजनागत | योजनेत्तर | योग |
|---|---|---|---|
| *लेखा शीर्ष* | | | |
| 23. स्वैच्छिक संस्थायें | 143,60,580.00 | — | 143,60,580.00 |
| 24. अ०भा० वाद विवाद | 3,66,252.00 | — | 3,66,252.00 |
| 25. रजत जयन्ती समारोह | 2,66,236.00 | — | 2,66,236.00 |
| 26. विश्व सं सम्मेलन | 32,64,434.00 | — | 32,64,434.00 |
| 27. प्रेषित राशि | | | |
| i. आयकर | 53,801.00 | 9,35,361.00 | 9,89,162.00 |
| ii. अंशदायी सा०भ०नि० | 3,22,905.00 | 66,00,836.00 | 69,23,741.00 |
| iii. सामूहिक बीमा | 2,260.00 | 58,736.02 | 60,996.02 |
| iv. जीवन बीमा | 17.40 | 7,26,339.00 | 7,26,356.40 |
| v. परीक्षा शुल्क | 13,560.00 | 1,23,666.00 | 1,37,226.00 |
| vii. अन्य विभागों को भेजा | 1,32,150.00 | 6,25,035.95 | 7,57,185.95 |
| viii. अ०ज०ज० छात्रवृत्ति(उडीसा) | — | 3,900.00 | 3,900.00 |
| ix. जीवन बीमा | — | 20,000.00 | 20,000.00 |
| x. छात्रवृत्ति (पुरी) | — | 4,250.00 | 4,250.00 |
| भ०नि०पर त्रण | 69,999.40 | — | 69,999.40 |
| 27. पुंजीगत व्यय | | | |
| a. पुस्तकालय पुस्तकें | 1,952.00 | 40,949.67 | 42,901.67 |
| b. मशीन एवं साजसज्जा | 5,26,770.00 | 2,44,602.00 | 7,71,372.00 |
| c. प्रकाशन | — | 1,14,528.00 | 1,14,528.00 |
| d. फर्नीचर | 8,71,316.00 | 2,03,734.00 | 10,75,050.00 |
| f. के० लो०नि०वि० को जमा | 61,35,000.00 | — | 61,35,000.00 |
| 28. अग्रिम | | | |
| i. अवकाश यात्रा भत्ता | — | 93,300.00 | 93,300.00 |
| ii. यात्रा भत्ता | 36,480.00 | 2,68,910.45 | 3,05,390.45 |
| iii. त्यौहार | 1,200.00 | 1,14,000.00 | 1,15,200.00 |
| iv. वाहन | — | 88,200.00 | 88,200.00 |
| v. विविध | 63,34,050.00 | 5,45,626.13 | 68,79,676.013 |
| vi. गृह निर्माण | — | 13,830.00 | 13,830.00 |
| vii. पंखा | — | 1,200.00 | 1,200.00 |
| viii. चिकित्सा | — | 14,000.00 | 14,000.00 |
| ix. एच० आर० ए० | — | 12,000.00 | 12,000.00 |
| x. वेतन | 1,800.00 | — | 1,800.00 |
| 30. नकद् रोकड् | | | |
| i. हाथ में राशि | 439.65 | 60,512.02 | 60,951.67 |
| ii. बैंक में राशि | 7,42,723.19 | 25,90,626.89 | 33,33,350.08 |
| iii. बैंक में (फोर्डफाऊंडेशन) | — | 8,879.93 | 8,879.93 |
| iv. बैंक में (पत्राचार) | — | 95,464.60 | 95,464.60 |
| कुल योग : | 4,89,95,653.94 | 7,38,76,807.21 | 12,28,72,461.15 |

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058